

DPN 6216

Title : विभिन्न बौद्ध पूजा विधि VIBHINNA BAUDDHA PUTA VIDHI

Run. No. 6907

Cat. No.

Micro. No.

Subject कर्मकाण्ड १ पूजा विधि
Ritual Religious

Religion : Hindu / Buddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

नेपालभाषा निर्देश
new direction

Size in cms. 21.5 x 7

Folios 146 Lines (in a page) 6 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

मानदास सुगतदास

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Mandas Sugatadas

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / दृष्टीः स्वः कां चिन्ता नः ॥

registered at the Centre of MS.

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ नमः श्री वज्रसूक्तम् ॥ नमः गुरु मण्डला, सिद्धा तमके, मण्डल धिक्के, स्वान लने ॥
समाप्ति / colophon इति सिद्ध धाम विधि, धुम ॥ ... इति श्री बौद्ध, एतद् एतद् समाप्त ॥

टिप्पणी : इस मासिकोपग्रन्थमा विषय सूची धनः २-५

Content list of this MS is also included.

Some of titles / ई ईर्ष्ये शब्दे —

1. पूजा विधि
2. दश कर्म किंजलि विधि
3. परिपूर्णा (प्रतीक्षा) कर्म विधि याद विधि
4. देवता भजना
5. दिवस दिन
6. आत कर्म
7. नाम स्मरण
8. फल प्राप्ति, अन्न प्राप्ति
9. उपनयन विधि
10. पूजा स्मरण विधि
11. ई ई परिपूर्णा

92. सान्निध्य भावना

93. किंजलि भावना

94. किंजलि नाम भजना

95. होम भजना

96. पौष्टिक आदि भजना

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25



ॐ नमः ॥ श्रीगुरु सत्वाय ॥ ल क म गु न म गु न सि ध प्र क य क म गु न धि प्र क स्वा न
 त न ॥ सर्वदा प्र श्रय ॥ थ न नि द गु नि या य क न स सा त ना क म य ज्ञा थ न कि न
 त सा व ना ॥ ॥ ॥ ॐ ति नि गु न्य ना त क री रं जा त वि स्तु रं क वि धि व ड
 मि रं हं का न को लः ॥ त ऊ क न द क वि लो नै स वं क वि क र व ड या को न त ड
 यं ऊ ग प्र जा ल वि ता न म ध ध क न इ १ स ह का ला वि ध क नि ग म या रु मि वि ला
 य त न म धा ॐ ति डे व क स त्व वू या म य वा व स नु सा क वि क या य न मा ला व ड १
 ॐ नमः ॥

का प्र वि ष्ठा क म र्थ मू र्ते र व का नि या ना ता नि र व प्र स ह रं ता क म क
 अ क ल्या का न प्र कृ त म प्रो चि र्म य र्थ १ क व प्र या रं क व नि वि ल क रा द य द
 दानि स यो क ह नि म न म य त न वा क य क य या ॥ ॐ श्रु क र स ड क
 १ य कि म र्थ स व रं ग कि र्ति स प्र क र क वि न नु ष ष्ठा डा स ना ट रु र्थ त
 क या स ग ता र्थ रं कि त रा न द ग न लैः ॥ नि कृ ष ष १ स म ड म र्थ स क न वा
 पु व म्मा धि प्रा ति सा त त व प्रो य ता र्थ क न क यि स क न न रं क का दि ना रा ना

15

10

२
(दशकर्म किने विधि)

ऊरुतकलुना वरुवजयध्वान्वितकनार्या वरुमांकरदययश्चनयक
निष्ठादयययसुतमिति गोसाकविजयिमूदया स्मारयसु समायनः
सयकनार्या अ कृषायागो वा माया कयानखद्वारादधनो गऊ
त हं कासमत्वदि श्रवः सहस्रत हं कासातुपुष्टकत्रासिः दश
दिगिद्यानाकथ हं कात्रस्तुनित दशकाध्वमयैयेतु आकयसाध
य निनीरुत तात्रा मरुदत माय ॥ धनसि सनातयाय वसकात

5

१५॥
यानवाय ॥ वरुचन्दननयस यलकायात्रनयय ॥ ॥ यूजायाय धूमिमतस
मयश्रुतान्याग ॥ यकयदात्रयूजा ॥ ॥ जायमरु ॥ **हं वरुकीलयसवति**
यावराहं ॥ १०८ ॥ धन ॥ धगुत्रिमरुनजयया हं वरुनधिभंतयग
धनीलेतायक ॥ मरु ॥ **हं धययादय २ सवेइकानरुद ॥ हं कीलय २**
सवेयायानरुद ॥ हं वरुकीलय वरुधनआ शाययतिस्वाहा ॥ मायधनका
व किरीयोर्तियजायायक ॥ धनयत्रानदडी मरुनयूजायायक ॥ मरुनकात

15

10

5

॥ ॥ धनयउयावः खाननितक ॥ ॥ निधाकजमान ऊवयमवमदिचकहाथ
 जाऊनयम ॥ ॥ यायायस्य दधधस्य धययाय ॥ याथनायाठनमथ ॥ रुगव
 नअमूकसर्वे विद्याजाऊनमाकुरुः कुरुमिहामरुनार्थः यमिहकनूनामकः गिष्या
 ॥ मकस्याययमाकय ॥ ऊतायवः कतरुकां सयरुगवनः यसादेकुरुमहसिः य
 थाहिसर्ववृद्धा मुचिनेन ॥ यमिहिकाः मायादयायथाककौः नद्वलिमूनि ॥ हाक
 गा ॥ अगुस्वसकनार्थः कृत्वाः यथादिका ॥ मानगुहानः अमकस्याथयः वाधिस
 लयवृद्धय ॥ समत्वाहलकुपी वृद्धाऊगवकक्रियार्थः दातोवाधिः सत्वाधयावन्याम
 प्रका

कुरुवना ॥ दवनाजा कयाजायुरु तासं वाधिसासिता ॥ ममनारिस्तता सत्वा यकचिद
 ऊवकुरुव ॥ अमकाहं महावर्जा यमिहकाविधिं सयुगा ॥ कात्रिथाभिऊगसूद्ध यथागक
 यचात्रत ॥ अमकम्या मयादायः सद्धिष्यस्यत्र तमम ॥ सर्वस्याम्यकिं अथासानिधं
 कुरुमदध ॥ ॥ धात्र उयदय ॥ अयमसक लंजर्मी सकर्लंजी विर्नवम ॥ समयस
 वेदवानी रुविगाहं नमसय ॥ अवेवंचरुविद्याभिः वाधिविर्लंकवम ॥ गथागनाक
 लात्यारिः ममाद्यस्यानमसय ॥ अगुमदिवसाहय यशमहयमूर्कत्र ॥ सीनियानारु

वंशसर्ववृद्धं, निमग्नलोत्त॥ वज्रकुम्भादिमूलाकायगायात्रादि, निगार्जन॥ ॥ ऊहृद्वं
 हांशादिम्वयुधमनगायनिसादजसंश्रितिकोलाप्रथ॥ स्वयासाकाकायगा ॥ मिधून, स्वय
 ग्मज, लवठ, जिह्वो
 गुरु, कुम्भनखस्त्रानया
 यथासाध्या ॥ यत्सङ्गलीसकलसत्त्वादिनवनस्य, वृद्ध
 सदाशत्रुहितस्य विवृद्धवृद्धशा यस्तु नृचित्रस्य, विशालकस्य, तमङ्गलीरुवृद्धत, यन
 माशिक्षक ॥ सधननात्रिचूदनयाय, सकिवाकनगाह नृस्त्रानयाय ॥ यमङ्गलीरु

वैकुण्ठलजामुत्रयुक्तिरस्य, धर्मस्य तत्तत्कथितस्यानिर्गुणस्य ॥ ज्ञातुं यथैव नित्यं ॥
 नित्यं तत्तत्कथितस्यानिर्गुणस्य ॥ ज्ञातुं यथैव नित्यं ॥
 धनं नयावमुविध ॥ ४८ ॥ धर्मं गच्छ धर्मं वचमुखादा ॥ गान्धर्व्यं कथं न्यामा ॥
 न्यादिं कुरु वयाय ॥ न्यायं कथय कथां न्यायं कथय कथां न्यायं कथय ॥
 धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ ॥ धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ धर्मं गच्छ ॥
 यथादि यथादि यथादि यथादि यथादि ॥ यथादि यथादि यथादि यथादि यथादि ॥

धननिव वज्रकायाव विजयस ॥ ॥ **हं मातु स आ ४ क ४ स ॥** हं नूरात्रसगा कौ, मिखासो न
 यास ॥ **हं** क्रमया नन कास ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥
 ला वयाय ॥ धन वं जाक वन दवया कथिय अधिषनयाय ॥ ॥ **धन** धन धन का न हा
 धय जाया ही अऊन ससा **॥** **हं** का प्रिहाय ॥ **हं** का प्रिहाय ॥ **हं** का प्रिहाय ॥ **हं** का प्रिहाय ॥
 नि धन का सुन का या जा ॥ म का न ट का न धै अऊन हा जात हा जा न थ ॥ **सूर्य** व धुर्व
 जडा हवडा मिष निव वरु स ला वय अऊन न व व ॥ **नू** स गा कान अऊन न न न न न ला वयाय

मरु ॥ ॥ **अ** न नी य न व व व य दान नी जिन सु व ४ **आ** का प्री व य गा ज म् य धा न क स क
 न मि न ॥ मरु थ ॥ **हं** व क २ स म क व क वि ग ध न ला हा ॥ अऊन न वान ॥ **हं** दि य व क व हं ॥
 जडा हवडा मिषा सम न केल ॥ **हं** ध म् व क व हं ॥ **हं** ध म् व क व हं ॥ **हं** ध म् व क व हं ॥
 व ज या धू चि न व न ॥ मिषा नि या स ॥ **हं** आ ४ कान व ज ह्ने न व क क नू २ हं ॥
 ह्ने न व क अधिष न ज व थ ज न ॥ ध यो न ॥ **आ** क या व क न ॥ ॥ **न** न ४ गि थ मा स व स व स
 विला क य क या म य ॥ विष मा ला द या क व न गा क सि द न वी क ता ४ गा थो वि वि य न न मि
 त मा न क य नि स म क यानि मा सो वि का य अऊन ग क मा मय वि व स न व क थ य वि न

15

10

5

८८
५५
५५

धननिः नानामिसाहस्र नकाय आदि नरुदा सक मदन सा मिय कलि सनस्य
दिगताम नखनदासं आधनयाय मनु ॥ ८ ॥ म स म ॥ ध नि हं रुट ॥ धन वद स
सो दगु प्रिमवा तम नक मनु ॥ ८ ॥ म मा धि रु स स वी जिन पूरु यो द म यु
स्वाहा ॥ ८ ॥ म्वाहा ॥ ध मनु न ग कि न दाहा जय ॥ वी सा वी सु ॥ ॥ ८ ॥
मिह नया मनो विधि ॥ ॥ ध न प्र ज न क किया ॥ स्ना नयाय ॥ यम गो र्वादि

धन वद नाना म न हं नाय ॥ य कि वद ॥ दिगताम विद्य ॥ नाना आ रु व न वि
हं म गो रु स र ह य न स्वाहा ॥ धन स था न म का जा ना रु डा ॥ नाना य रु न दा क न या
जा दिगताया जा दाहा यथ म न व स र व हा म ॥ आधनयाय मनु ॥ ८ ॥ न म ॥ म म
न व द्वा नी डा ह व र्द द द स्वाहा ॥ ८ ॥ म्वाहं ॥ ध न अ धि शान याय ॥ धन स ह
पाया ध आ र्ग हा र्ग नो वाय क ॥ ८ ॥ को ॥ अ व म र्ग य नि रु स्वाहा ॥ न क मनु ॥ ८ ॥
दि या न स मा धि ध न यो न न स्वाहा ॥ ध मनु न न का रु डा याय हा या वी ॥

मन्त्रोपासन

ॐ श्रीगुरुभक्त्युक्तिस्तुत्यानामिदं क० क० श्रुत्य० ॥ अथ यन्त्रक० संख्यं ललाय०
 सात्रागय० धनस्योने क० खानमात्रा न० ददयाभादभायिह तथ क० ग० श्रुत्य० ग० अत्र विद्यः
 धनलिकलुपूरुजो क्रिया० का० द० पा० न० व० विद्यया दु० दि० द्या वा स० स० सा० द्या० सा०
 खलु ज० न० ल० कि० च० क० ॥ य० मा० धि० आ० दि० द्या० सा० स० म० र्क० न० या० ड० द० द० र्क० दि० द्या० ॥ यं
 ॥ यं० सा० मु० ति० ॥ ॥ ध० न० ज० न० पा० स० न० ॥ ॥ ध० न० ड० य० स० य० वि० धि० या० य० ॥ अथ यान्त्र
 य० क० स० व० द० ली० रा० न० य० ॥ म० क० य० द० य० ॥ ॐ म० द्या० स० र्क० व० क० ज० ह० वं० ह० ॥ स० न० त० र्क० म० ति०

उपनामनामि

ग० य० स० र्क० व० द० ली० रा० न० य० ॥ म० क० य० द० य० ॥ ॐ म० द्या० स० र्क० व० क० ज० ह० वं० ह० ॥ स० न० त० र्क० म० ति०
 जा० मा० न० क० खानकाय० हा० थ० जा० य० न० य० जा० न० वा० ग० थ० थ० ॥ म० द्या० स० र्क० म० द्या० प्रा० ग० मि० अ० म०
 वं० ज० न० ली० नि० स० र्क० स० ल० म० न० आ० यि० स० ल० द्या० दि० दि० न० ॥ स० र्क० स० ल० यि० न० य० ड० को० मा०
 ल० य० ह० स० म० या० शि० म० स० ल० य० न० न० भ० ना० थ० का० मा० ल० य० यि० य० न० य० रा० ध० म० ध० ना० व० ध०
 वा० ना० ल० स० म० य० स० म० व० म० र्क० नो० द० यि० रा० क० य० या० स० र्क० स० ल० ना० क० न० र्क० स० र्क० स० दि० य० न० ॥ खानया० म०
 य० द० व० र्क० द्या० न० ॥ यं० सा० य० मु० न० ॥ ॥ ध० य० न० य० वि० धि० ॥ ॥ न० क० र्क० व० क० न० ध० थ० ॥

वासुदेवाय स्वात ॥ यमं गं न कमनयाति सर्वजं नीधुः प्रकाशं च सुवर्णलाभयं पुनः
नरायणाय नमः ॥ कल्याणं कानां कोऽप्यनया मगतं सत्कर्मकस्य नमः ॥
वक्तुं यत्र मां शिष्यं के ॥ तदनुहं का प्रसंगं वक्तुं प्रसादयित्वा ॥ नृणां नवा
प्रमत्तं ॥ ४ ॥ कामिदाययः ॥ योजो ॥ मखाहा राजायाय मन्त्रं नृपयथा प्रोवाहा रुहा
याय ॥ ५ ॥ सर्वो ववता विभाधनं सर्वज्ञं न वायानं रुदयं २ ॥ ६ ॥ स्वाहा ॥ नृपयथा प्रव
नमः ॥ ७ ॥ धर्मं गदयाधिकं नृप स्वाहा ॥ थनं सर्वज्ञं नृपयय ॥ जलं नृपं नमः ॥

तस्य जिनयस्य तस्य जिनयस्य सत्कृतं तावद्वचनं मदास्य विभक्तं यात्रं सत्कृतं जि
नस्य निस्य विभक्तं तमस्य वक्तुं यत्र मां शिष्यं के ॥ ८ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ ९ ॥
नृपं नमः मोदसा जय नृपं नमः कथायय नृपयय ॥ १० ॥ यत्र नृपयथा मगतं नृपयय ॥ ११ ॥
मगतं नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १२ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १३ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १४ ॥
नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १५ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १६ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १७ ॥
नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १८ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १९ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ २० ॥

卷之五

5

15

10

12

॥ यथा धनं च नृप इन्द्रोऽसि सदा तं ॥ यथा विद्वान् यज्ञाया रसं सस्ति वा कन ॥ धनं का
 उचिकं नैवायक ॥ ७ ॥ स उचैतं भागं कथाया विभुधनं स्वाहा ॥ यथा यचैव वचकन ॥ सोऽयम
 स ॥ लाम् ॥ न स्वायक ॥ य ॥ कन स्नान याय ॥ ७ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ हर्षं यचैव गच्छ ॥ यचैव
 न ॥ यचैव गच्छ ॥ कथं नय ॥ न स्नान याय ॥ य ॥ वज्रं नम ॥ वज्रं माय ॥ गीतं नृप ॥ यथा ॥ धुयं
 वशिदयं ॥ विचित्रं गच्छ ॥ यथा रसि नय किं सम ॥ वीमलं य किं गीतं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यक ॥ धनं ॥ नमो ॥ नमो ॥ किं नम ॥ हर्षं नृप ॥ कथं न ॥ धनं नम ॥ सयि नम ॥ वज्रं सकन

न ॥ ॥ धनं वच ॥ मिथुनं यता मिथिय ॥ ७ ॥ दिवा कन ॥ स स्वाहा ॥ नमो नम ॥ दिवा ॥ ७ ॥ स
 वोरु नम ॥ वलं स्वाहा ॥ मिथुनं यता स्वस्ति वा कन ॥ नमो किं नीतयक ॥ ७ ॥ दृक् स वच
 दानां नृप ॥ कनम ॥ स्तुतं यथा कथं नम ॥ यथा मकूटयक ॥ कन ॥ हर्षं
 नयक ॥ ७ ॥ नमो ॥ हर्षं ॥ सन ॥ मिथि कान कायक ॥ ७ ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 मिथि कान कायक ॥ धिमासा विन ॥ दिवा कन ॥ ७ ॥ ७ ॥ धनं ॥ नमो ॥ वज्रं ॥ नमो ॥
 ताशं यचैव गच्छ ॥ मिथुनं ॥ नमो ॥ स्वा नमो ॥ नमो ॥ दमि ॥ धनं ॥ हर्षं ॥
 नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥ नमो ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

5

5

10

15

可樂冰

32

[illegible]

नय आकृत्याद व्याप्रादादिम व्याप्रादिया राव नय म नानयक सथा उचम न
 याद्वद्वोत्रिविध कन प्रयाद्व न ॥ गामध्व ॥ वा ॥ यी ॥ धा गतिम द्वा स्तना नाकय
 ना कर्त्री गृह्णित्वा पा नि नायानि तू द्वे कृत्ये यत्कि ना यन शानेन सत्वेन
 यज्ञा या यात्म दुर्लभं कृत सत्वेन नार्थं कामा कर्त्तव्यं विद्यु प्रथक वा धनं म
 नि निर्नि त्वय मनु ॥ ६ सत्वे वृद्धे चूडामणिं मरुत लजा क्रीडत त्व कि २ हें रु द्वा हा
 अनि निया नां क विमला गाय ॥ धन क लदा सा गाय ॥ ६ व ऊ हा से म रा मनू रा य सो

कृतिरुजावागन युक्तिश्चादवधियसक्त ॥ यू र्थं लो र्थं मु गताक्रय ॥ ॥
युक्तिश्चादवयाक स्वातन्त्र्यहान्तयगावता ॥ ॥ ननु स्वस्वीज
मयूखे मजाक तथा वा ह्याधि मत्त्व विशाद वनी गले राग क्षमा य विहङ्ग
वासर्मगतीदिन कर्त्तव्य प्रमथ द्विष्ट यूत्य क्रिया क्रय
माये ज्ञता सि शर्क क बुज गा रु रावा त् मृतिभा कर्मिणं कर्म बीनी रुव तु न द्रवम्
रित्यक्त गाय धा दिजा पोत मातृमा लादि ॥ संवली च न हा य ता ड व नी द का दि य

[illegible]

माननं मिना न धिर्धिसात्र ॥ ॥ अमर्यधन कदा न जना कस्यत क
ना कस्य सहसर्क न क रुदवता सह कस्य शिजन वायुव ॥ यावत्समस्त
१० नादया यावर्गमा मलिमल वन्दा को गमला यावत् तावत् विजया
रुदव ॥ १० अथ जक रुदवता सवैः कनू र्धुति मा सिने कनू दान
दानयत मां किं युष्टि स्वस्ति श्री सवैः ॥ १० धनया अर्थक न ॥ गता कन
स्वस्ति नवतुय ॥ अथा कनयौ जी शाना अस्तु न नमसा यातिता यत्नतम

धिक नाथं तला र्धन कनू मदसि १ कनू मद कनू र्धु दान दवता न प्रय तुजा
शा ना कया लाध जा निरु ना विधिया मा नि स्वस्ति श्री दानयत मां मूला
गुहा यत मम १ ॥ यत्क न १ १ कनू क सि मया मरु धिया यत्न १ कनू
यत्क न यथा धे नो य दिना ना सि द दिना ॥ यत्क न का य जं यार्थ यत्क
न कनू वा ग र्ध यार्थ यत्क न विरु ऊ यार्थ न सवै कनू दमया मिह त मा मुन
वृद्ध अत न कनू यथा य न मा मु सत्य य का ना का मून सत्य यति का य जा भा र सा

[illegible]

हासं वा हा न त य नै या म ग ध न ॥ का । दिन म धु न धि न क ॥ म क ल म नै न्दा त त न
 य म्भु ज नै दा य ॥ य म्भु ह ति वा ध स मा क ॥ आ मि या वि य ॥ म धु न वि स र्ज न ॥ स म
 ग न भा हा । न य के ॥ म न का क ॥ य त य ज्ञा वा दा ह द ॥ इ क वा य ज्ञा नि स
 वा न वि य क ॥ आ मि वा ॥ द ॥ द ग स क र य वा क न द्वा य ॥ म य म्भा न म्भा दि स म
 म्भु द का त नि स म्भु य क ॥ ध न स म रा च क ॥ ध न स र्म स र्वा ह ति ॥ म म्भा क न वि
 म्भु न ॥ मि न ॥ व नि म्भु न य न्ना ना ग धा आ दि स क र्म ॥ वि स र्ज न म्भु न ह न

१८

लोके गमनं धनं धनं धनं नाम का मं तं न अयं धनं धनं धनं
 लो मं लु न या ना कं धा ज्ञाय ॥ ०० ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ ॥ कदाचित् कदाचित् कदाचित्
 स धनं स धनं स धनं स धनं स धनं स धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं ॥ ०० ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं

धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं

धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं

धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ ०० ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं
 धनं धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं धनं

20

लाव्यः यं कायं वा यमलुनं यं कायं नोमि मलुनं यं कायं नमहा समुद्रं
 नमश्च यीतनं कायं नं यं यं यं यीतनाह मलुनं न इयं त्रिं कायं नं मलुनं
 लमयं समं विरु यः ॥ न इयं त्रिं कायं नं विष्णुं यं मयि रुमि वि
 लाव्यः ॥ न नमश्च यं कायं धि वि न वे शं यं यानं न ल्या वि न म न क दाम
 यं विरु लाव्य ॥ ॥ विधि थां यं जा ॥ धूय मित्रा ज न जा हा ज मित्र का द व ता ह न
 भू जा या न न मिना य थि य क य के गू त का न न कि त्रि क न कं व ज द ध का वि र

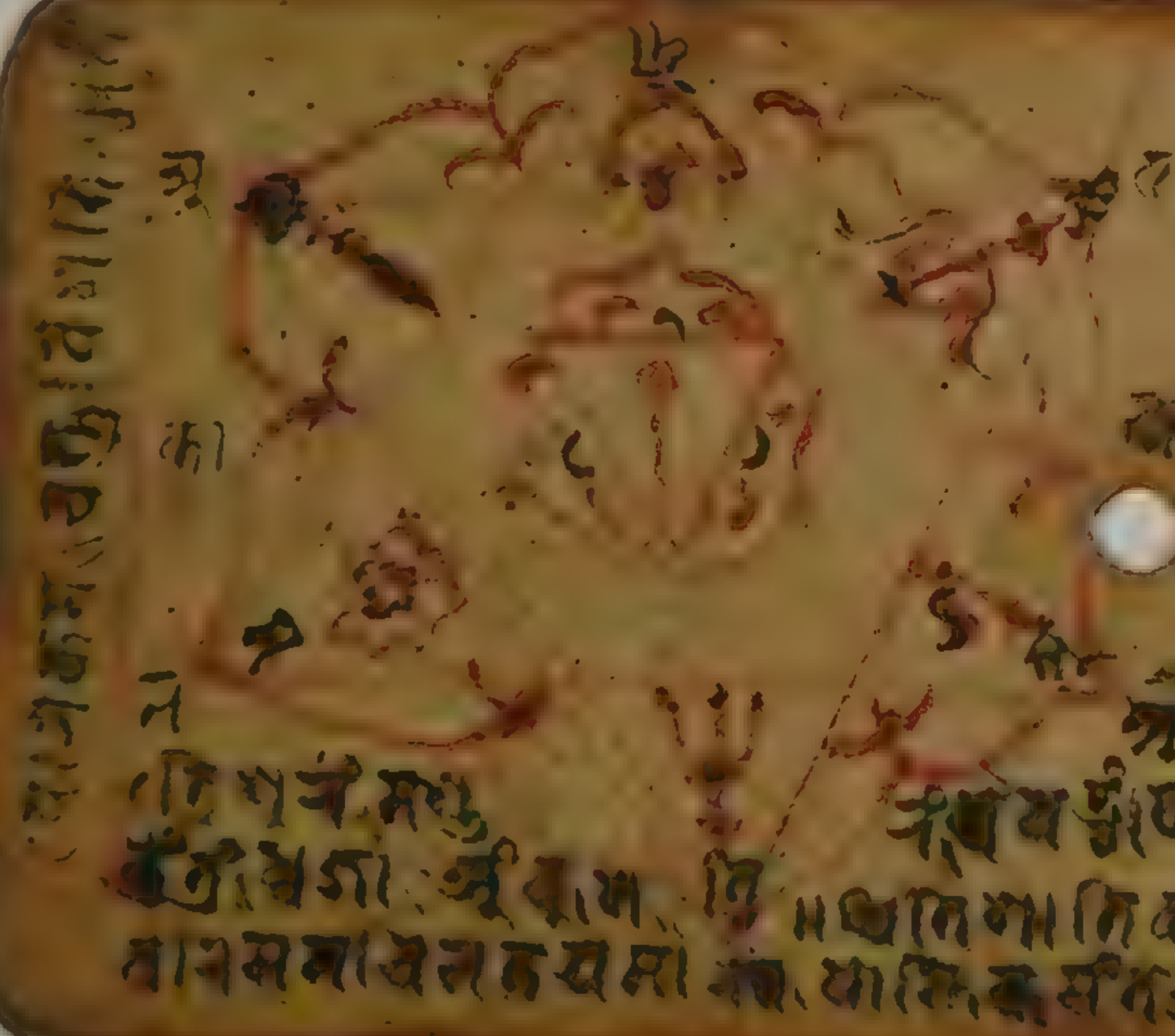
नमो भगवते

थि य क न मिना य स यं जा ज धं वा अ का य मू ल स्या दि व वि ॥ ॥ नमः ॥
 वि न व ज स्या हा ॥ व जं स्र य क ॥ ॥ वि कि न न वि धि ॥ ॥ य न म वि
 हा म स स्या न रु हा व न म स र व ल ॥ ॥ न नो अ ना दि स वि व द वि स र
 मि व य मि मी द द्या ॥ अ म ना र्या म हा व क्रि ४ क वि ला सा म स र न न ॥ ॥ य न
 शि वा म हा ज क स त्या न ग र का य का म क क र्म र द्ग र्ग द ह्य ॥ ॥ य वि क न न व
 रु ज ४ व ज स र्या मि मा ना य व द ना द म्ब का ज स ४ ॥ अ क्ता दि द व र्ग द ह्य

२२



Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the text from the reverse side. The script is in red ink on aged paper.



Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the text from the reverse side. The script is in red ink on aged paper.



Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the text from the reverse side. The script is in red ink on aged paper.

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

卷之四

[illegible]

146

22

[illegible]

卷之六

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side)

[illegible]

पायमहातयातकायदिगंदमश्दमय२नाशनंसर्वइहसत्त्वाननुधनगतनागापिषयलनय२
नाभय२मात्रय२हृ२कट२रुद्र२ष्टिद२तिद२हन२दह२यव२मध२घट२महाब्रह्मायभाजूः
प्रितिक्षुट२मटकन२सय२... त्रधाकाष्ठीत्यादा॥ ३२ ॥ उं यमांककायडीमुं विष्टनाने
नायनाभतरनोयउभाक्तावे दनेंदधुरुक्तायसधमानविनासायन्देवनिष्ठरू२ममसर्व
विद्यानहन२वयमात्रातनिवायय२हूँ२रुद्र२स्वादा॥ ३३ ॥ उं बिष्णुककायमहजाधामला
यत्रमहापराक्रमैन्देवनिष्ठरू२स्वे२स्याहि२ममसर्वविद्यानष्टद२रुद्र२दुर्ग२दह२यव२

[illegible][illegible]

15

10

5

0

वलिष्टक २६ २६ द्वाहा ॥ ४० ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४० ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४० ॥
 ७२ उं यतिष्टुमवत्रिंशदं ॥ ४१ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४१ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४१ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४२ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४२ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४२ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४३ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४३ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४३ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४४ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४४ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४४ ॥

७२

७२

कान्तादगलं कुरु सर्वं मम भक्तिपूष्टिं ज्ञात्वा वनं युक्तिं कुरु २६ द्वाहा ॥ ४४ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४४ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४५ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४५ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४५ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४६ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४६ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४६ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४७ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४७ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४७ ॥
 उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४८ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४८ ॥ उं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४८ ॥

CMS

5

10

15

20

25

15

10

5

चकटां उं आ ४ ऊं ॐ दं वलि गृह २ घाटय २ सव इहान् २ २ रुट्खाहा ॥ ४१ ॥ उं गव
 तियुक्ता नमि गामहा ॥ अगय महा निनल कयं चय सुक रुक् ॐ दं वलि गृह २ जिघृ
 धिव २ पुहा वड निरु २ ल २ मधा वधनी भिनी २ वधिवधनी खोहा ॥ ४२ ॥ उं क नृ
 ३३ सुव कलिक नह विग्रह विवाह विघ्नाद नृद्विद २ सिद्ध २ गे २ य २ शनु सुक य २ ऊं ३ उं ३ ७३
 २ रुट्खाहा ॥ ४३ ॥ उं नमो गव गव गव नृन क नृन गाय महा च व जयानय मम भद्र
 नां सव भग धि संका चय २ मादय २ वजया ॥ न आ क मय २ य क व धये ॥ श्री व ध स व भः
 ग वि वं ध स वी न्य मानय २ पू य धू प गं ध व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४४ ॥ उं व का

य क य नि जय २ विजय २ विजय वाहिनी मम सव गृह २ सुक य २ सुक य २ मध २ पु मथ २
 मास २ २ नृक २ मा गव ति ॐ सं व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४५ ॥ उं नमो गव गव गव नृन क नृन गाय महा च व जयानय मम भद्र
 नां सव भग धि संका चय २ मादय २ वजया ॥ न आ क मय २ य क व धये ॥ श्री व ध स व भः
 ग वि वं ध स वी न्य मानय २ पू य धू प गं ध व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४६ ॥ उं व का
 ३१ ॥ उं सिद्धि क नि वि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४७ ॥ उं नमो गव गव गव नृन क नृन गाय महा च व जयानय मम भद्र
 नां सव भग धि संका चय २ मादय २ वजया ॥ न आ क मय २ य क व धये ॥ श्री व ध स व भः
 ग वि वं ध स वी न्य मानय २ पू य धू प गं ध व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४८ ॥ उं व का
 ३२ ॥ उं नमो गव गव गव नृन क नृन गाय महा च व जयानय मम भद्र
 नां सव भग धि संका चय २ मादय २ वजया ॥ न आ क मय २ य क व धये ॥ श्री व ध स व भः
 ग वि वं ध स वी न्य मानय २ पू य धू प गं ध व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४९ ॥ उं व का
 ३३ ॥ उं नमो गव गव गव नृन क नृन गाय महा च व जयानय मम भद्र
 नां सव भग धि संका चय २ मादय २ वजया ॥ न आ क मय २ य क व धये ॥ श्री व ध स व भः
 ग वि वं ध स वी न्य मानय २ पू य धू प गं ध व नि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ५० ॥ उं व का

[illegible]

[illegible]

पार्षसंमतीयनिदसथा मि. कायैवावाजिमलसाकृदवा पृथंम। तनमनूमा
दयामि न देववाधोयविनामयाभि ज्ञाननयस वनीषु जामि ॥ १ ॥

[illegible]

नकायनमः स्वाहा ॥ डं क च ओ व कायनमः स्वाहा ॥ डं यु क णि क कायनमः स्वाहा
 डं वृ त क कायनमः स्वाहा ॥ डं मृ ष क कायनमः स्वाहा ॥ डं इ म न क कायनमः स्वाहा
 डं व ह क कायनमः स्वाहा ॥ ८ ॥ डं क मा न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं स म र्गं ध
 न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नृ द ग क्ष न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं त व र्गो न दी ये नमः
 स्वाहा ॥ डं च द रा ग न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नृ क नान दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नी च वा
 मा व र्गं न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं ह म व नी न दी वा जा ये नमः स्वाहा ॥ ८ ॥

७ ॥ डं नृ नि यु र्गं न व म्यो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं द्वि ती यां द म स्यो नि धिय नमः स्वाहा
 डं नृ को द स्यो डं नृ ति र्गो न का द स्यो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं च रु थ्यो द स्यो नि धिय
 नमः स्वाहा ॥ डं य ओ म्यो रु या द स्यो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं अ क म्यो अ मा वो
 च रु द स्यो नि धिय न मः स्वाहा ॥ डं स क म्यो वृ त् मा स्यो नि धिय नमः स्वाहा ॥
 डं अ क म्यो अ मा वा स्यो नि धिय नमः स्वाहा ॥ ८ ॥ डं अ द वा य नमः स्वाहा ॥ डं भा मा य
 नमः स्वाहा ॥ डं अ र्गं जा य नमः स्वाहा ॥ डं वृ क्षो य नमः स्वाहा ॥ डं वृ ह स्य नमः स्वाहा

15

10

5

0

विधिवाहनायनमः स्वाहा ॥ ॐ सुकिं धजायतमः स्वाहा ॥ ॐ हं मन्त्राय नमः स्वाहा
हा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहाय नमः स्वाहा ॥ ॐ हं मन्त्रहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ काशीय हं हं स्वाहा ॥ ॐ कलात्रिय हं हं स्वाहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ वज्रकहाय हं हं स्वाहा ॥ ॐ वज्र
नालीय हं हं स्वाहा ॥ ॐ वज्रकहाय हं हं स्वाहा ॥ ॐ वज्रकहाय हं हं स्वाहा ॥
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ तीव्रव हं हं स्वाहा ॥ ॐ वज्रकहाय नमः स्वाहा

स्वाहा ॥ ॐ काशीय नमः स्वाहा ॥ ॐ आर हं हं स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा
हा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा
ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रहाजाय नमः स्वाहा

[illegible][illegible]

काय, लाधकधयय हायाय, डंअलया० रिताध विमोजनन, समइदि, म
 गिरवदनी नमा मिजरीन भासनि, यक नो हातयुयज, यत्रिवायं महा, स
 नाभनरस्यव निरीहनाते, युजनाम्यह ॥ ॥ धन, नमस्काययाय ॥ आ
 यजकज, रायय, समयकाय, यिधंदिग, समयायके ॥ ॥ ॥
 हाभनीयूजायायशावनाविधि ॥ युय ॥ ॥ ॥ नमाययायययभीमहा,

नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥
 नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥
 नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥
 नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ नमो ब्रह्मणे नमः ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

15

10

5

१२ (थनिधूनहाडा, धकात्रिजत्रजायसाकताकयजय, दवधायक, त्रजहायधुकात्रि, जत्रजहाय, धननमय) धननमय
म२समय२सान्ददान्क२समासाय२अनालंक२नसीधयश्वानमहाकज, निगोकननि
वोन, सव्यवदाना, धिस्माना, धिस्मिहस्वाहा, धान२, स्वधनयाय, ॥डं वज्रधुधस्वाहा, याकाय
२२ ॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यज कयाय॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
महास्वाहा॥धामासधन ॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
दय२स्वाहा॥वाताकधन ॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
धिकय॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥यकनमधुन॥यकनमधुन॥यकनमधुन॥

सत्रायघाघयतिहस्वाहा॥यायादिगूय॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
वाडिह॥यव्व॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यव्व॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
ममयधिम॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
य॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यव्व॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध
धमम॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यव्व॥डं वज्रधुधस्वाहा॥यकनमधुन॥डं वज्रधुध

15

10

१०

नमः
 ॐ वज्रजकै हं ॥ द ॥ ॐ वज्रलो वं जक ग ॥ ॐ वज्रसां धि वी ॥ य ॥ ॐ वज्रनां ध हं ॥ अ ॥ ॐ वज्रमां
 ॐ ॥ न ॥ ॐ वज्रमो न जो ॥ वा ॥ ॐ वज्रमृत्त अ ॥ व ॥ ॐ वज्रप्र य हं ॥ अ ॥ ॐ वज्रप्र य हं ॥ न ॥ ॐ वज्रा त
 सां कन को र वा य ॥ ॐ व शीं ध अ ॥ वी ॥ ॐ मं शीं ए अता रा सा दा रा य ॥ ॐ अमा य अमा य
 द मि हं ॥ य ॥ ॐ म यो या यज ह म यो म वि ॥ ध न हं ॥ य ॥ ॐ म वं मा क र मा नि धो म ति
 हं ॥ य ॥ ॐ ग य ह सि न हं ॥ ॐ मु स क म हं ॥ ॐ ग र न ग र न मा व न हं ॥ ॐ ह न क क ह न व ति ति हं
 ॐ ग म न ज म न य र हं ॥ ॐ व द य व सा कि नि सा दा त ॐ रु द व ति रु द पा न हं ॥ सा दा व ॐ म नि
 उ हं च ड ॥

5

नि म हा क सि नि सा दा रा य ति ॥ ॐ वज्र ग क स्वा दा ॥ ॐ अ क य अ क क म ति व त वि ध
 ध नि सा दा रा ड य ति रा न य ति रा न क ट स्वा दा ॥ ॐ म म क रु द स्वा दा ड त ॥ ॐ अ व जो क
 म ड ॥ ॐ वज्र यो ग हं ॥ ॐ वज्रा स्ता ड व ॥ ॐ वज्र व मा हा ॥ वीं डायं त्या धा ॥ य
 य य दा न य जो रा ॥ ॥ ॥ ॐ न मा न क र य वि य ॥ स क र य व त वि धि मा ह ॥ गु हा
 ना ध क या ड क र ॥ ॥ ॥ ॐ म क क क ॥ अ क र य म न म दा न दा वि हा न म य ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

विहिनकयक वाकमरुयक यशय दानयुजायाय ॥ याइ ककु क
 ठा समन नाथा वनिरुडा जग्यक जन धाययय विनाय गुत्रमलु
 न यकेराययय सिधुन याथवय मलुन धिनक खाननन
 मलुन विमडन सववनि विनाययुजायाय विममाधिक
 माधिमामन धनमगि धयन नुममरुति ॥ विधिधं पूर्वदवायजा द
 वनाइति ऊधमा धमियतडाडा ॥ ॥ नकययदाम सवाजनयार्ध

विहिनकयक वाकमरुयक यशय दानयुजायाय ॥ याइ ककु क
 ठा समन नाथा वनिरुडा जग्यक जन धाययय विनाय गुत्रमलु
 न यकेराययय सिधुन याथवय मलुन धिनक खाननन
 मलुन विमडन सववनि विनाययुजायाय विममाधिक
 माधिमामन धनमगि धयन नुममरुति ॥ विधिधं पूर्वदवायजा द
 वनाइति ऊधमा धमियतडाडा ॥ ॥ नकययदाम सवाजनयार्ध

संकययतिस्वायाय नामक वृता वजनधिसजाय ॥ डंनमः सर्ववर्द्ध वाधिसुत्तर
 आः दीयहं र्व ॥ ॥ धनधनडाडा धम्मनियति कमाक धननसं सकयय काक
 २ कथयक ॥ गुत्रमलु लदनक यशयययययक सकयययुजायायक धनि
 वाकायक ॥ धननन मलुन वायक दवस्वदाहाजय लक्रमलुन मुति ॥
 ययधसंनमाभिवृध निधं भाकविवृद्धास्वर्यवृद्धास्वर्यवृद्धाधनाध मरयंत
 मदिधयधवतसंज्ञान कयागियजयययक इ४ वाक नक विनानादगरासताय
 गुत्रविमनियकाजति केनमः ॥ ॥ नकययसस्यानयामनक्षत्र ॥ सर्वकका

मं हाथ जाऊ नयं श्रीन ॥ ॥ धनख कन ॥ समन्वाह नहुमा दशास दिहू ॥
 न कमन य कति के याडा जिदिग मं श्रीह सा कया नव्या दि। नं ॥ ० ॥ सर्व वृद्धे वा
 भिसख सय य न ४१ म वृत्त धम गन वज जल य क वि श्व क सा व सि ता थ ॥
 समस्त वृद्धे वा धि स ल क थ ग म रा ह व न समस्त क थ ग न थ वा य न अ
 कार न द र म र व अ मि ता र अ भो य मि धि थ य नि हा क या ॥ ॥ सर्व मूदा विद्या
 व व ता ॥ ॥ सर्व सुद व या म डा विद्या या क म र गु रं थ ध र्म ॥ ॥ अ ह म म क न

अ म क ना मा द स स दि हू ४॥ ॥ ज य नि स थ व २ ना म क्रि थ हा व जि दि ग म थ हा व जि दि ग
 म थ हा व क थ ग न या के ॥ ॥ अ मि ता ग न थ य क थ न नी सर्व वृद्धे वा धि स त्वा नी ॥ ॥ ना का
 न व ठ गु नि क म या व ह न व यी व गु त्रि या व स व क थ थि ह त थ ग न या थ व क ॥
 थ य क वृ द्धा थ व का र थ क र स य य नि यो क थ य मा समस्त स त्व य नि य ना सर्व
 स त्व नि को र्पा नी व ॥ ॥ ॥ न क थ य ध र्म य मा ता नी ड थ नि या क ह या त ड थ नि या
 त थ य सा स स स त्व य नि म नू र्ण ड थ य या य या क अ र्थ न ॥ ॥ सर्व य थ म नू मा द

२ नञ

७३

७२

दयामि विसत्रदमसदिकु अवेवलिक ॥ ॥ हसिकयधगुसिधमैयतिमनध
यसयायाहसन रुमिससमसुपायमायुव ॥ ॥ धर्मजकयवैलनाय दमसदिकुसर्वव
दानी ॥ ॥ धगुसिपूथयायधैकैदु यथमइ किदिगसयादतथाशकयनिसर्ननक
येययान धर्मयावहु का ॥ ॥ तरावकायचिलिखीकु कामानायाथयचिनि
वोनाय धानयैदसंध म ॥ ॥ तथगकन दुसधुत्रियुथइधक कन्यमदुन
॥ धगुत्रिधमोयुध कृष्कलयति नलाहइयाय ॥ ॥ धनजयरातक ॥ न इइ ता
य अकत द्योहाखी ॥ ॥ डनभायुदाय कयुगालामिनहुदयाय यवात्मासमचिक

य गुं धातुर्कमलय सत्तानी इ ४ त्वकनुकानुलादिवागधजसाय दयगुर्जमी सर्वसत्ता
नी नलवायां सम्यकले क्रीवा भोयतिहानायनाय सगकवजुयदा ४ दानयतिरत
मेनकयत्यरुदानकाय अर्थयुनिकु स्यादा ॥ ॥ ॥ ॥ नमससर्वसुयावाता जिन
धातुकलकुके सर्वव दानययधर्मधलनभामुन ॥ ॥ वसितिवरातभा
कुतयदिकानी सर्वत धागनी ताफिधर्मतावर्जनी अंश ४ असा स्मकनावा कि
भासति हज २ स २ स वीन जाग दूधद्वमजक स २ स २ स २ स संवधा हस २ पुयराग
ममहावल सक २ ली क २ व सागत्रयादा ॥ ॥ ॥ धनधर्मोयति धाहात्रिका तिन

15

10

॥ धम्मपितय। तसे न जकवे त्वधिसं महासत्तावे क॥ ॥ धम्मपितय। तसे न जकवे त्वधिसं महासत्तावे क॥
 सिद्ध कथागत सम्यक् समुत्पन्न ॥ वदं कुरु रुद्रकस्य रुद्रत्वदुत्पत्तं मन्त्रकन
 सिमवजवाधुं जीव मृद्वीय कसियुग्म आयोवकैयुत्थरुमोलाग्म न
 यात्रदण्डयसुन्द यी ॥ १० ॥ हनुकषी विप्रया कस्वगा नना धिया सिनयी ३
 स्वयंरुच्येय शनिभन वाशमत्यायां यशिकन के शावत्यां युर्वक न भीत्वरुया
 उक्तजक न ॥ ११ ॥ हवतवात्र अत्यशदवात्रयस्कास ॥ अशकाय ॥ दानयति ॥ ५५ ॥ मान

स्य आयुजात्राग ५५ नधनसना हाकारार्थं रुगावानुथा ३ ५ कनकं जवेत्यरुद्रान
 कस्य ५ कंयुत्तानुत्तान न ५५ मानस्य यथा कभासु क कथाहससंयुद ४ ॥ ५५ ॥ जादत्र
 २ आकासं धातुशुद्धं त्वाहा ॥ धातुहातके ॥ ॥ धनधनकोत्रके ताताक
 प्रथमक मिथसं यककोश ॥ ॥ धननिर्मिस्मान रुद्रात्रमसंतातन
 ॥ मतिदिभुत्तमातसं विष्णुताजिकायां मथ्यवजवजुर्भी यवदत्र अनेक
 निर्व दफिनयदी यष्टिम तर्कक डन प्रवाधुकि ५ शानमहाय मी आशुर्गीत
 ॥ ५५ ॥ धननिर्मिस्मान रुद्रात्रमसंतातन ॥ अशकाय ॥ दानयति ॥ ५५ ॥ मान

॥ ५५ ॥ मान

कं नेमस्य कर्कटकं वायुवा कसिकं वहिषसर्वं तातांमनी विम्वि खेति ह्य॥
॥ धनयूय ॥ यंत्राय हा नयूजा ॥ युया त्यास ॥ डं वज्र वज्र मय स्वाहा ॥ डं वृत्त का
य स्वाहा ॥ डं यज्ञाय स्वाहा ॥ डं तृक काय स्वाहा ॥ डं वासुकि य स्वाहा ॥ डं श्री
खद्याय स्वाहा ॥ डं कर्कट काय स्वाहा ॥ डं कसिकाय स्वाहा ॥ डं महा यज्ञा
य स्वाहा ॥ ॥ यंत्राय हा नयूजा ॥ धनयूय नूतनू नाय आ कर्कट हा श्री सा ३३
न नूतनू सर्व स सर्व ॥ डं वृत्त काय स्वाहा ॥ डं कर्कट काय स्वाहा ॥ डं महा यज्ञा

यात्रे कत्रिके वनूत यात्रे दवरी महादल मि लामहि विदलु धल अयना नह
 नुरतयो वने दा मा गज महासा गज अतये वनक महावक लाकारि महाका
 रि सत्रय महासय रुदादिक महादल मित्रि महा मित्रि आगच्छा
 गच्छ महा नागधि यामि उरु वदान यत रुद रुद स्वाहा ॥ धान प्रक चेत्य
 मिधमदा त्रिसंस्तु कत्रय ॥ ॥ नागधो नय युड मा ज नय नागधू ज कु ४ समय
 त ॥ ॥ कनक ॥ ॥ डं म विना कधमोज चेत्य के वरि न मया विष्टो लामन क

32 याथदवगा यऊयाभद कवाभूभादजासम्यकवैत्यपुनिकुसवत॥नाम
धियागिधिरैतीकीत गाभनैलैपुगादक॥डंयोने२हंजसाहा॥सकाकन॥
कमायन॥अनन पुवाहयत॥ ॥निहाउयऊसकमानियूजाहना
हानसमयावकस स्वनधुमैमियातय गनैचकु डछिनवत्यावदमा
कासिधिदानगमथा॥ ॥ निजकवैत्यवतविधिसमाफथा ॥ कजचित्ती३
स्वयंरुलेत्यस्क यधसथगनवैडंसायूजा अद्यावय॥ ० ॥ २३३
गाभंअनना

२३ डंनम॥पोवऊसत्याय॥डंनमादियकजाय॥सारेकायूजाविधि॥वऊजा
सदिमऊकाजवायूजाविधि॥ ॥ कभासचनरागामासावालाकथमिया
प्रवायावथयना याहावकय॥७आयक गुनमवुनयाय निममा
धिरुवायियायूजा कभायूजा विकमायूजाऊयरावालाकसखान
कहावतयरावना॥ननाधिकायाऊवैयुधिबीयनमान कऊयवमानवा
यूयनमान सधयनयविहावज॥ ॥आकसैक्षधुयानिजाऊन साहाअमि

15

10

5

0

98

यका यका मरुत रेका यका यका दिस्ना न पूजा धूम दीयने दया दिस दया
वयन दक नाकय क य ला ध मु काय ये ध मो अका आमर मरु
धिन के खान नन क सता रुज यजाय नि या हाथ यजायाया द
कसा द्वय स्वस्ति वाकन वाया कल व काय ॥ ॥ विसे खया नाय
नन रुज या वाया क ज अय नय य जा विधि ड थ स्वान रुति न हाव वाया क
निजाया व या न रुत क थ व थ व थ य र्म या क हा म ड र या व या न पूजा या

याचक स ब हा मय न ॥ उ या क या य ॥ मन धिन क स्वा न नन स ग न न य
क द क ना य जा क ना मे लु न व काय ॥ व नि रु या म रु का य जा वि धि स मा
करा ॥ ड न मा दो र्थ क ना य ॥ गु न म लु न द गु नि स ग ना न य जा वि
धि र्थ द व रु य जा या दौ व म लु धि ना व ज व या वि व स दि व के न स्वा
न ना य आ क न जा ड हा हा जा रु उ य नि म रु ना य म म ॥ ॥ रु ना व दो र्थ क
न व रु ध म मे वा र्ज न मा मु न या म रु या म्य ह ना थ स ग रु वि ज या य न ना व रु

CMS

5

10

15

20

25

15

10

त्या दीनसत्त्वानां समूह्यादयः सचेतनादंगे यानामकायः विहाय या नामका
 यगायजायदायसायिषु यानां यावत्पुण्यं किं तावदसि न्यूनं यत्नः स्वाध्यायः
 हा सिंहायुर्गः सस द्यावापिसत्त्वादिन ज्ञानायाय यदेवान् ॥ नासर्व
 नसमावाशयात्वा यं गते सरुग वज्रयोत्थान्य विरुं सा निरुं कन
 सेहुवा प्रावश ककुवा दग्धं मागदुं नयवासा ॥ ॥ स्नानया सजन हान
 कायानम काजया य ॥ ॥ उजसा मनसा दक्षा वजसा भाजसा रुध्र युत्साद

5

लस्या युधमा मोमकाः मूचरा ॥ स्नाननात दक्षनायुजा सग्न न न आगिवाद सा
 म्प्रादि सचेतनादायय म् वी सङ्गेत ॥ ॥ ॐ जय गेमा द दी र्य कन निमन्नु भज
 त्रिषे ॥ ॥ धनज लसियुजा विधि र्मिन्ना सक् वाक्का इद नरा
 डाद नय सागिनाम साध र्वा मियुजा डाद नय चरु नु निमित्ता र्थ
 धनजा युजा युजा ॥ ॥ वाय गुन मनुज दगु नि कं नरा स धनकाडा ॥ धिनु
 ककु सख नरायाडा ॥ ॥ धनजा य मनु ॥ ॥ धनमा वृद्धाय त श धम ॥ निजानी

[illegible]

१३ सुखोक्तिं सर्वं साधनमर्थ



उत्तमसुग
धनिमसुग
धनमसुग
धनमसुग

मय क
मय × क
नय न डि

(क) क. य. क. थ
 (क) क. स. य. ना. व.
 (व) नि. र. ड. थ. नि.

(ज) ॥ मा ॥ य ॥ जा ॥
 इ ॥ य ॥ ॥ ॥ य ॥ य ॥
 क ॥ मा ॥ य ॥ य ॥ य ॥
 ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥
 न ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥
 य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥

मन्त्रादि-पुस्तकानाम्
धर्मशास्त्र-संग्रहः

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम

ਅੰਤਰਿਕਸ਼ੀਨਾਮੁ ਭਗਵੰਤ੍ਰੀਤਿਯੋਗੇ

51

10

71

निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि
 उदनेक जववनिविय जकवेययुजा धनिथासाय ऊयधमी अकाप्रमव दकता
 के अयययावक गाय उव अवेकतगव अजसगव कासासाधन साइर निधयव सवस
 तस नकवेयसर तितस वातासहायक कसकतस अजसखान विवय जवतलाय सव
 अज सवयुजा धनसात तने सता कय मलुन वनिन जकवेयन विवय जत दवयास
 लुनयाखान कय कयवा तासहायागीतय मलुन वनिन कायाजनात कय कय यि
 ताजमस धनिज वजध कवेययुजा यनिकमन निवयागी कर दकनाद कय दकाज
 ययक यो कयजा कुवचिनयुजा दकनाद सधर्तानिक खानकाकाय स कयक विवय निर्यथुनि

निधयव

5

नेदि ध वा

लागना	गुप्तमन	दधिव
स	नलहर	मामता
सर्वन	दधम	निधय
न	वर्कगय	नख
न	सपको	कस
लागमय	रर व	दय
अकार	मायन	अमाद
	कु	सिपदि
	य	

उदनेक जववनिविय जकवेययुजा धनिथासाय ऊयधमी अकाप्रमव दकता
 के अयययावक गाय उव अवेकतगव अजसगव कासासाधन साइर निधयव सवस
 तस नकवेयसर तितस वातासहायक कसकतस अजसखान विवय जवतलाय सव
 अज सवयुजा धनसात तने सता कय मलुन वनिन जकवेयन विवय जत दवयास
 लुनयाखान कय कयवा तासहायागीतय मलुन वनिन कायाजनात कय कय यि
 ताजमस धनिज वजध कवेययुजा यनिकमन निवयागी कर दकनाद कय दकाज
 ययक यो कयजा कुवचिनयुजा दकनाद सधर्तानिक खानकाकाय स कयक विवय निर्यथुनि

निधयव

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

१२
क

गख्यः सख्यः धूमि युजा याचकः खानकः खानकः सख्यः धूमि निजा जीलः यथी वरुन यथी
लास्याः यथी जोदने मुक्तिः मज्जकयने ॥ धननिजि प्रथमः कथुनो मीतिना
याचः मुखा रुकि ॥ धन सिद्धय युजा याचकः भूयानि ना जीलः खानकः यथी वरु
नयनगंधः धनमधुन धनकः यथी कंधः कजमः खानः नैव यथी नैव यथी
जाः मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने
मूखः दधुनो के कथकः अरुमा मज्जकयने मज्जकयने धूमि धूमि दधुनः इत्यदि मज्जकयने

5

जाः धननिजि अग्निमः खानकः खानकः सख्यः धूमि निजा जीलः यथी वरुन यथी
या धनमज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने
भावनार्थः वरुन धनमज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने
कथुनो मज्जकयने धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि
धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि
धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि
धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि धूमि

5

10

5

यतिमः पायनः गतिमदसत्ताकः थदायमैरुक्तकतिमिर्मिः जयतिमः किं थियागु
 १३ त्रिः संघर्षनं वो स्यादिका यमात्रधर्कः युनयानदतिरुक्ताकाकाकाका ॥ संघर्षनं
 १२ त्रिये ॥ ॥ सद्येयय विनासाधैयनाधैयविययमहाकावृत्तिकावृत्तिका
 साधैयदहिगरेययय कः ॥ ॥ हनाथरुगुनः रुसद्यययतिः जयतिमः
 यकेगरेययिसादिका रुनधर्कः रुकाः किमिसाससुयायभायकयातः थदनाये
 लयविगयाययागोतिमिर्मिः हनाथरुगुनः रुसद्यययः विहाययाथविनरुयाते

जयतिमः धात्रिलसाधनयादः गथयकेन थगकयाआस्तः काकृग्वमागायागदस
 यादगुपिः थार्थिगुथयगवाः जयतिमः विरुनः धर्कः किमिसागदसाधनायानैः त्रिः
 कायमानधर्कः रुन थालयतिमः याधनायास्यहाका ॥ ॥ नृस्यवाजिनरी
 जिनरीरुर्कः सर्वध ॥ रुविधुधर्कः कायवाकथिरुर्कः महाकावृत्तिकावृत्तिका
 ॥ ॥ हनाथरुसद्यययतिः गथरुनययकायः दयायाभिजिनरुथगर्कः सत्य
 यतिमः उधलवाययातः निमिर्मिः यकेगरेयवियाजः वाहसाधनायातः साकाः

二

अष्टमार्कपूजा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ये पत्नी। भूय। श्रीरवली

卷之九

इति पाथसेमायु, गंगाकन, कृमायन, आसिवा, निसुगलनयक,
दकलायजा, कंगारिकक, सधननियक, नुमिनेय, कृमायि
पूजा, य, धनुसकयकाय, कृमायियासिध, यनिय
आ, य, काय, सनय, कडना, शाङ्क, कर्जव, य, य, धु
नितिनवनककविधिशुभाशुत ॥ ॥

[illegible]

गिनक्षमविधि॥

15

10

5

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उत्तमसुखदवगा अधिनिर्वृत्त स्वादाग स्वातनान ॥ मित्रज्जमानत गुनचवकाय
मित्रज्जहाव स्वसिवा क वदव मित्रमसावक इय सववववनिजासा ॥ ॐ न
कथय्य दाय नुचउदा स रायवसा निथाव मधदव ननयाडा सजायातया
अदवततयावदायथ कसिनाइमि रा यवसा विवत्रिनादिवकेश धवतनि
ज्जमाना ग यसावना निना ज न सादा अमित्रका यवसत का कनक वाहा
दिरा ज प्रमा मलुना विनक स्वातनन यमइय यसाया गगाक वधनरुआ

मित्रादिव मित्रमसावक इय सववववनिजासा ॥ ॐ न

उत्तमसुखदवगा अधिनिर्वृत्त स्वादाग स्वातनान ॥ मित्रज्जमानत गुनचवकाय
मित्रज्जहाव स्वसिवा क वदव मित्रमसावक इय सववववनिजासा ॥ ॐ न
कथय्य दाय नुचउदा स रायवसा निथाव मधदव ननयाडा सजायातया
अदवततयावदायथ कसिनाइमि रा यवसा विवत्रिनादिवकेश धवतनि
ज्जमाना ग यसावना निना ज न सादा अमित्रका यवसत का कनक वाहा
दिरा ज प्रमा मलुना विनक स्वातनन यमइय यसाया गगाक वधनरुआ

मित्रादिव मित्रमसावक इय सववववनिजासा ॥ ॐ न

1

ममदासदास

61

卷之六

15

10

5

0

श्री गणेशाय नमः

८२

समस्त	कल्याण	विष्णु	श्री गणेशाय नमः	सर्वभूतसुखाय नमः	उद्योगविष्णु	धर्मप्रदाय
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
विष्णु	व्यास	नरक	नरक	नरक	नरक	नरक
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धृष्टादुजा, कुमालिषुजा, दिदोवलिदिय, ॥ ॥ धनमृजालस्वरा
 हय, ॥ स्वस्ति कस्य च न, गुणमप्युसदलक, सिखिराजस्य, ॥ धर्म
 शोक्य, निजाज, न, दकतात्रया, मरुदनभाय, कसर्जवन
 नाग, जनकच, विय, लोकस्थानयुवक, ॥ ॥ धनसिखि
 नस्य, ॥ धर्म ४ सवसर्गधनिहृद, ॥ दिगतात्रक, स्वनिषाकेन,
 वेदस्य, दगुदडा, तोनस्य, मृजानके, ॥ धर्मसिखिनहसायसा

CMS

5

10

15

20

25

15

10

5

0

हा॥ न काय॥ उं डीं खा हा॥ ना॥ स च क॥ उं समाधि द ह न॥ सर्व॥ क न
 वृ य धि त न॥ खा हा॥ उं आ॥ व ज धि त का य खा हा॥ वी॥ खा दि॥ खा य॥ क
 63 उं॥ स क डी॥ क॥ उं॥ ख क म॥ सि त कि न॥ मा म न डी॥ का य॥ व॥
 वा क स वृ मा॥ उं॥ न ह र वा स न वि धि॥ ॥ ध न य कि त्र वि श दि
 ग मा या जी॥ उं दि वा वा स म खा हा॥ आ हा र शि त्र का॥ ॥ ध न कि सा॥ भू व
 न का य क॥ उं स त र स न र॥ ख न॥ खा हा॥ ध न कि ट तं तु कि॥ चि त्त य जा

॥ स ग व न वि श ॥ सि रु नो न य॥ ध न कू मा रि तृ जा क य॥ ॥ ध न कू
 जा सा ध न वा य॥ उं न म र स म कू वृ द्वा नां ग अ॥ य त्र॥ तं जा व र॥ द ह खा हा॥
 उं आ॥ ह खा हा॥ ॥ दि ग मा या वी वा न य॥ ना सि च क॥ उं डी॥ खा हा॥
 ॥ न क म॥ उं डी॥ ॥ ध न म खा हा॥ अ रु ना॥ उं वा ना य स मा ना॥
 य॥ द नो॥ उं डी॥ ना य॥ या ना॥ उं वा ना य न म खा हा॥ च नो॥ उं दि वा न त
 स मा॥ धि॥ न यी न न खा हा॥ का य॥ रु गी य त्र न क॥ क र्त्त क र्त्त य॥ ॥

15

10

64

ग्वयम्भन लिथ ॥ गता कुरु य उ पाडा श्रुय ॥ कुरु ॥ ददा ददव
 लिथाय ॥ ॐ ति श्रु न पासेन विधि ॥ ॥ दगु विम क्रय ॥ प्रा कृ स ॥ स
 मया चक्र गत नयक कर्ष किय ॥ ॥ ॐ ति श्रु न पासेन
 विधि ॥ धू ॥ कुरु न क विधि ॥ ॥ ॥

॥ दुःख ॥ महा मोय मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु विद्य शुभ्य ता विरा वा कुरु न दो
 ययय विवि कुरु ॥ ॥ कुरु विद्य निजाई साह न विद्य कुरु मर्ष मर्ष नय न
 कुरु न क

ॐ ति श्रु न पासेन
 विधि ॥ धू ॥ कुरु
 न क विधि ॥ ॥ ॥

5

ॐ नमः
 शिवाय
 नमः

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ मचा वृत्त व न क विधि माह ॥ सयन कन
 स ॥ म न ॥ दद व न ॥ सयन ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥
 य ॥ नि स मा धि ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥
 धन म न ॥ साम न ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥
 दन क ॥ मि य रा द ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥
 धन सयन ॥ मचा या क ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥
 धन ॥ मि य स र वि य ॥ ॥ ॥ दद व ॥ गु न म न ॥ सयन ॥ दद व ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

धनविधिमाह॥१॥ ताय गुरुमधुन समाधि कृणुयात् कृणुयात्॥ धन
 मृदाजस्रस्यहमः स्वस्तिकम गरीः गुरुमधुन दनकं॥ विद्या साय जंम निजा
 जल चजगजवा मरुदहनमाय॥ कृणुयात् खननाय॥ द्वादयातत्र
 ददिय॥ श्रीरवधु विमलविश्वक॥ कलस्य विनिधाता॥ विद्या मधिनः
 तासः सायनलो०० मधिपदकशाकविश्वक॥ कनककाय चतुर्गंधहसयुजाः
 यासः दहननायक॥ मजानरुमयाः शुभिकायक॥ हंसयाः लोभदः मृगवना

5

धनविधिमाह॥१॥ ताय गुरुमधुन समाधि कृणुयात् कृणुयात्॥ धन
 मृदाजस्रस्यहमः स्वस्तिकम गरीः गुरुमधुन दनकं॥ विद्या साय जंम निजा
 जल चजगजवा मरुदहनमाय॥ कृणुयात् खननाय॥ द्वादयातत्र
 ददिय॥ श्रीरवधु विमलविश्वक॥ कलस्य विनिधाता॥ विद्या मधिनः
 तासः सायनलो०० मधिपदकशाकविश्वक॥ कनककाय चतुर्गंधहसयुजाः
 यासः दहननायक॥ मजानरुमयाः शुभिकायक॥ हंसयाः लोभदः मृगवना

15

10

5

67

कय गोविन्द

जगत्सृष्टीसृष्टः सृष्टि कृत्स्नम् । मृत्तुमयं लोकेन केन दृष्टि यज्ञः ॥
 सातनाः नो जातन्, ने जना न वा, मर्त्ये न मायः । तास्तद्य कर्त्तुं स भाः
 वसः सृष्टिः प्रयुज्यते । अथ नान्यथा सृष्टिः कर्त्तुं दिवा तायाडी जगः
 ज्ञायः ॥ यन्नदः प्रयत्नः सृष्ट्या दत्तः । मित्रं सृष्ट्य कर्त्तुं यत्नः ॥
 श्री धर्मः सृष्ट्या दत्तः सृष्ट्या दत्तः सृष्ट्या दत्तः । कृमासि सृष्ट्या दत्तः ॥
 मां सृष्टिः सृष्ट्या दत्तः । मां सृष्ट्या दत्तः । मां सृष्ट्या दत्तः । मां सृष्ट्या दत्तः ॥

न विद्यते वस्तु ज्ञायः सृष्ट्या दत्तः । सृष्ट्या दत्तः सृष्ट्या दत्तः । सृष्ट्या दत्तः सृष्ट्या दत्तः ॥
 सि मृत्तुमयं लोकेन केन दृष्टि यज्ञः । सातनाः नो जातन्, ने जना न वा, मर्त्ये न मायः ।
 तास्तद्य कर्त्तुं स भाः वसः सृष्टिः प्रयुज्यते । अथ नान्यथा सृष्टिः कर्त्तुं दिवा तायाडी जगः
 ज्ञायः ॥ यन्नदः प्रयत्नः सृष्ट्या दत्तः । मित्रं सृष्ट्य कर्त्तुं यत्नः ॥ श्री धर्मः सृष्ट्या दत्तः
 सृष्ट्या दत्तः सृष्ट्या दत्तः । कृमासि सृष्ट्या दत्तः ॥ मां सृष्टिः सृष्ट्या दत्तः । मां सृष्ट्या दत्तः ।

15

10

३कमकाउ३२३

नाः धर्मः कर्ममयः ॥ ६ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
६० दशतुजा ॥ ७ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
त्रमः ॥ ८ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
गुग्निः ॥ ९ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
ताहिः ॥ १० ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सहितः ॥ ११ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा

5

कनः चिकननः वराकः ॥ १२ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
माः ॥ १३ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
मयाः ॥ १४ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
यः ॥ १५ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सः ॥ १६ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सः ॥ १७ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सः ॥ १८ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सः ॥ १९ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा

[illegible][illegible]

॥ छिनमसदृशक, वलिसकाचक, वनिधनसजातक, वधाय, सिद्धा,
॥ कनं ॥ ॥ सिमिनास, जाकूठि, तिशादा, काठ, चकन, अइवा, न, तया,
॥ व, मोचक, भाद, यक, मासक, वक, ॥ वज, ना, नवा, मक, रमाय, क,
॥ सुनय, नलापक, ॥ सिध, वन, विद्य, वज, आय, दि, कि, न, ज, ज, म, स्वा, न,
॥ मा, न, स, क, ला, न, का, र, के, ठा, म, ला, ज, य, दि, य, भ, स, न, स, न, के, न, ॥ ॥
॥ न, क, ॥ ॥ न, स, स, स, न, क, व, न, न, ॥ ॥ स, ह, उ, ख, न, य, अ, य, न, क, ॥ ॥

[illegible]

15

10

॥ इति धृतिश्च साक्षात् ॥ सनाथातन. असमाधियक. कमिहानपूजाया
 ॥ य. ह. नडीकाय ॥ धिहान. ॥ ॥ माहानानेअशादि. ॥ ॥ यनर्थ. शिवा
 ॥ दान. धयनी ॥ ॥ कथकथसहसकं ॥ ॥ ककथं कुमव. सदास
 ॥ ॥ दामसर्वकारं धि. ॥ ॥ विष्णाय सात्र ॥ ॥ नरु. कुदेवनासक्तो. कुरु
 ॥ ॥ शिऊनवायव ॥ ॥ नषत्रपृथङ् न. दवात्रय. समस्तस्य आय. तं ऊ. वा
 ॥ ॥ य. धिधिवि. आकास. धन. यथ. रत. आत्मा. वरुवपमानं ॥ ॥

5

॥ यावभ. नृ. शिवा. दवा. जावमं नृ. शंभ. महितत्र. ॥ ॥ गुमनूपनव
 ॥ ॥ तस. वडसत्य. नध. गतत्यं. धिर्नयाद. विष्णोनात्रं. धिधिविस. गत्ता
 ॥ ॥ वरुवत्रयं वागा. ॥ ॥ वडाकं गगनयाव. लावत्वं. धवाभा.
 ॥ ॥ विडयितव ॥ ॥ ॥ आकासस. वधु. सक्त. आवागमन. दिन. वाणि
 ॥ ॥ दयक. विष्णोनात्रं. लावत्वं. धवाभा. विष्णोय. धिर्न. ऊडा. मानया. गुरु.
 ॥ ॥ मंगनं ॥ ॥ ॥ मंगु. धिधिवि. स्वानरुत. पृथु. याय. मलुन

[illegible]

सुखदायिनी

सौ नस्य सिद्धयुयुका जम्भयित्वादि ध्वान्मुज्ज्वलन्तथा ॥

1162511

वकुलकं धुमध्वनहाह्वयि ॥

11

11

अथ यथावत्

॥ स्वानुश्रुतं जगत्सर्वं ॥ अर्थका नान्यथा स्वयं यथा ॥

वक्रान्तिकयकाका

समयविज्ञापन ॥ समयविज्ञापन ॥ समयविज्ञापन ॥

सामानि वा रुदा वा साग्निवक्ता, यच्छुहाययुजा, वडनथिसं जायमनु, ॥ ४ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ताया वृकनभीरुमभितय

सिद्धननुस्य यशस्यलानयुता अकाजमुखयित्यादि धर्म वादन कुम्भि
नयन ॥ ॥ अथः पुताय धेधुका रावना ॥ ॥ विधिगुण ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

(१) मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धनराव (मोति का निशान)

15

10

सुविश्वविनाशं सद्यः कुर्यात्कथं त्रिमासं तु नरकं यत्तं त्राभं निष्कृष्टं
 यत्किं ददुःखं कमलं नृभू ॥ ७ ॥ यावत्कामं प्रयत्नात् ॥ ७ ॥ अथ ॥ अमुं
 स्वाहा ॥ ७ ॥ मन्त्रं न सांनिध्यात् कृतिविधिरिति ॥ ७ ॥

संयोगः

5

(संयोगः ॥ कर्मसं, सत्ता, कर्मकथनया तस्मात् कर्मासिद्ध्या, कर्मसं, सत्ता, त्वं
 धिं, धृजा, धूनकाडा, कर्मधृजा, ध्वनं त्रिभिर्भिमायात्र, यान, त्रिभासं दयस्वसि
 योमं कथय ॥ ॥ ॥ गुणमधुना दनकं, धूनकाडा, सिद्धाधियासन
 ध्वनं त्रिभिर्भिमायात्र कर्ममिसाया, दककं, प्रया, डीसायाककं, सती
 धयं सज्जयाककं, कर्मसं, त्वन, यागासं, सत्ता, कर्मासिद्ध्या, कर्म, त्वं
 कथा, सिद्धानं, वृत्तायात्र, सिद्धायात्र, त्वं नृभू, सद्यः सत्ता, कर्मासिद्ध्या, कर्म

15

10

त्वायां यत्र क धृ न हा शं स ग्नय वि य व रु जाय अ क्वा य वा मा र्द ला य
 मि क क या न म धि क न डी जाय मि क न र् सो न वा ज म म म धि का या शं द
 102 गु द थ डी द डी गु न या न वि य थू मि धृ न हा शं भ र्द न नृ य स्वा न
 न न यि मि ना वा सि धु र्म क र्म क य व जाय थं यि ना क्वा डी प य
 क शू य आ सि वा वि स ज न क मा जिय डी ॥ ॥ ॐ हिक स व च न वि धि स म
 व ह ॥ ॥

ॐ
 हिक
 स व
 च न
 वि
 धि
 स म

5

ॐ न न यो व क स ला य ॥ म मा जा न क र्म क र्म ॥ अ ल क न स ध धा म न मा नि य न
 क र्म धा गो व क स ल र्म क न वा ना वा यो ॥ यो क क र्म म य ल ग र्म क न वा क न र्म
 नि चा य ॥ अ ल म ल न स र्म म ॥ ॥ ग ग ल य स र्म क र्म म ग र्म क र्म य र्म म र्म
 धि स ल र्म ग र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म
 क ता य य र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म म र्म क र्म
 धा न क र्म ल नि र्म वि ना ग ल न मि र्म न मा मि र्म ग र्म क र्म क र्म क र्म क र्म
 मी क र्म नि ना धा ॥ स म य र्म ॥ ॥ ध न य ध ध र्म ध य ॥ क र्म य न म् क र्म क र्म

[illegible]

त्रिभुवनराजपूजायास्तं श्रीकृतमस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ अस्तु नवका
 लं वस्तु वयनी न जिने न व ॥ नालाका लं शत्राकृतं यथा नालाका किमिलं ॥ ६०
 कृ २ ममकृतं कृ १ व ॥ नालाका लं शत्राकृतं यथा नालाका किमिलं ॥ ६०
 धनकृतं सकलकृतं ॥ ६० ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ ६०
 मित्यामवस्तु ॥ ६० ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ ६०
 ॥ ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ अस्तु नवकास्तं दक्षकृतं ॥ ६०

15

10

वसा न दया स द न मा क र्ति ह न दी क र्ति म ग र्त्त वि नि र्मु क्ता । न म्भि स द
 १०५ दि त्वा क र्मा तु म्वा र्ति न क र्ति स त्वा न्द द्वा ता ग र्त्त म्भि च त्वा र्ति न क र्त्ता
 ॐ वि दी दि दा न ॥ ॥ ध न त स ग र्त्त ह न स च न त य व द्वा स न य य ॥ ॐ
 आः स र्व त था ग र्त्त स धु यो स न स्वा हा ॥ इ इ ॥ ॐ आः स र्व त था ग र्त्त जि
 ना म र्त्त य न् स्वा हा ॥ ॥ र्त्त ग र्त्त ॥ ॐ ति जा क र्त्त ॥ ॥ ध न त स ग र्त्त ॥
 ह र्त्त दि ता र्त्त द त्ता न्ता ना म र्त्त जि ता र्त्त ॥ ध न त य ग र्त्त ह र्त्त द त्ता न्ता क र्त्त म
 न्ति यो र्त्त द त्ता न्ता द र्त्त यो र्त्त ॥ न ध र्त्त न न्ता स र्त्त न्ता दि र्त्त क र्त्ता ॥ ग्ता ॥

5

या नो सो जे न ॥ य य म्ता दि न य ॥ ॥ ॥ ॐ आः जिं र्वं हं ॥ ॥ न्ता क र्त्त क
 न्ता क र्त्ता स र्त्ता न्ता क र्त्ता ॥ ॐ स र्व त था ग र्त्त क र्त्ता वि ता ध न्ता ॥ ॥ य य र्व
 क र्त्त त्ता न्ता न्ता ॥ यः स र्त्ता न्ता न्ता न्ता न्ता क र्त्ता म्ता न्ता न्ता न्ता ॥ ॥ ह
 य वि य स य स ॥ ॥ य य न स र्त्ता न्ता ॥ ॐ र्व त था ग र्त्त क र्त्ता न्ता न्ता न्ता
 कु म्ता क र्त्ता न्ता ॥ ॥ ॐ र्व त था ग र्त्त क र्त्ता न्ता न्ता न्ता ॥ ॐ र्व त था ग र्त्त
 ता न्ता न्ता न्ता ॥ ॐ आः ॥ त स क र्त्ता न्ता ॥ ॐ आः न्ता क र्त्ता न्ता न्ता
 ग र्त्ता न्ता न्ता ॥ द त्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता न्ता

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्र बुद्धता युवता ॥ स चैव भगवता यत्र यत्र
॥ देवस्याधियति नृप ॥ पूर्व उग्रधर्म ॥ वरुणधियः ॥ आः हूँ ॥ जति
१०० नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्र बुद्धता युवता ॥ स चैव भगवता यत्र यत्र
धर्मगताः सितव ॥ मिदं उग्रता ॥ अत्र यावत्तु ॥ द्विकर्तृ कल्याणर
सि सर्वे भगवता दृष्टा ॥ ॥ ब्रह्म यज्ञे यज्ञा ॥ धनधृ ॥ विद्यायि सर्ववृक्षानः
वाधिसत्वा ॥ सर्वमाः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स चैव भगवता यत्र यत्र

भगवता वासुदेवाय नमः ॥ कसा जह्या वय ॥ भगवत इविकाता जय ॥ साधुय ॥
वामि ॥ धनस्तानयाय ॥ ॐ नमः ॥ समरु वृक्षान्ती सत्वाधिति विष्णु कान्त सर्व
विद्युहं नृप ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
य ॥ गवस्तदवश ॥ न ॥ डोया मरुतः वरुणधियः जाय ॥ धर्ममरुतः
धियातयाय ॥ ॐ नमः ॥ वरुणधियः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
गिजका ॥ दाककाय ॥ धनकर्मकत्रमाया ॥ सधिनृप ॥ आत्मा सत्त्वकर्मिकमः
कुतत्रकायिय ॥ ॐ नमः ॥ यज्ञाया स्यं दयकत्रमुजगाय ॥ स्वाननन ॥ ॐ नमः ॥ यन्मि

५

०

५

०

१०८ सिद्धयुजाविधिः ७ ॥ धृतिशायकवत् ॥ मलयनिजाः रावना ॥ वामदकि
 लीकनयोश्च सूर्यव प्रिजनजवरुटिर्निधमत्वा डं क्रुः ॥ नरस्वयकीनाडी
 यत्रुठजादीवारा विरुधीः काना निरवा मजमक्रवा कानं यनिनमं विवि
 ल्य ॥ जाय ॥ डं वज सलहं पुनः डं वजयकहं ॥ मसिमा रावना ॥ मसि
 के पुनः पुनः नामि कं वज कु यनिवमभनः नामा मन्त्रया विरा य ॥ युजाम
 उ ॥ डं वज धर्मडीः स्वाहा ॥ ॥ वाकक्र रावना ॥ राख मोय यजमा यवजी वि
 रित्य ॥ जाय ॥ डं धीः गुरुमि विजय मन्त्रा नटना यहा विनीडीः स्वाहा ॥

४६
 हल्लयुजा मलयनि मसिमलाजाय वलिह वात विर्य वात्रवने पुन वलिह
 नयाव वाव कनय ॥ धृतिशायया ॥ १०० ॥ मन्त्रावन ॥ गुन न जजमानः
 व रावना ॥ नना आत्मानं वज सत्व नृथ उरु न साध कथ कमे वजी नृथ विविच
 ॥ १ धनमना धिह न ॥ डं वज ध क हं डं वज यक हं ॥ दय हं काहू मिकः
 ०० ल्य लज साधकस वक्र दयान्य सत मठ का नाथी आत्मना द क्रित्य नृक
 ॥ से चैयं द म मो नि धाय ॥ डं वज ह वि मा ड वि नी क य डं अमी ॥ आ ॥ अ ॥ अ ॥ स्वाहा ॥
 सन हं ॥ ॥ डं अन्त्या न्या नृगता सर्वधर्माः ॥ डं आ ॥ हं ॥ विना सत र्य रावना ॥ नना हं

15

10

वं० जं० त्वं० का० न० नि० त० त० ध० रा० त० द० द० वं० का० न० दि० श० ना० ति० श० न० स० गु० नि० न०
 नि० म० रा० नि० द० श० ॥ ७ ॥ आ० म० श्रु० त० ज० म० य० य० म० म० म० ल० म० ल० स० गु० ना० य० ह० ॥ ७ ॥ आ०
 १० व० ज० स० त्वं० व० ज० स० त्वं० व० ज० स० त्वं० म० य० य० म० म० म० ल० म० ल० स० गु० ना० य० ह० ॥ ७ ॥ आ० न० त० ज०
 स० गु० म० य० य० म० म० म० ल० म० ल० स० गु० ना० य० ह० ॥ ७ ॥ आ० ध० म० य० ज० स० गु० म० य० य० म०
 ल० म० ल० स० गु० ना० य० ह० ॥ ७ ॥ आ० क० म० य० ज० स० गु० म० य० य० म० म० ल० म० ल० स० गु० ना० य० ह० ॥
 य० ह० ॥ व० ज० स० त्वं० म० दि० नि० ज० ज० न० य० वा० य० सु० ॥ ७ ॥ क० म० स० स० म० म० न० ज० य० क० य० ज०
 का० न० ज० य० ना० व० ल० सो० य० य० म० य० आ० त्वा० न० स० गु० ॥ ॥ त्वं० त्वा० ना० ना० न० ज० स० य० ना० ति० स०

5

म० न० त० य० ॥ ज० ज० ज० ज० ॥ थ० म० न० त्रि० य० ॥ ॥ आ० का० म० स० गु० ध० म० म० न० थ० ॥ ७ ॥ त० ज० स० गु० ना०
 नि० क० म० ह० ॥ ७ ॥ आ० स० ला० ॥ थ० ध० स० गु० थ० य० ॥ न० ला० वा० थ० ध० त० ज० ध० ति० स० द० य० का० ज० य०
 म० न० ध० ज० य० य० म० स० र्व० क० मि० क० म० न० ध० ति० ज० ॥ य० ला० य० सु० ॥ ७ ॥ आ० व० ज० म० ल० स० म०
 ८ ॥ नि० श्रु० त० स० गु० व० वि० स० र्व० ध० ॥ आ० का० म० थ० व० न० य० व० स० य० ध० न० ध० म० ग० न० स०
 न० म० इ० ति० क० रा० य० ॥ ॥ नि० स० गु० य० न० ति० वि० ॥ ॥
 त्वं० व० ज० स० त्वं० म० य० य० क० ति० वि० म० ह० ॥ ॥ य० न० स० न० स० य० क० न० स० म० न० द०
 म० न० य० न० ग० ज० ल० म० उ० वा० न० य० वा० न० गु० न० म० ल० य० न० स० न० य० न० द० त० य० नि० वा० न० य० ज०

यं० न० ति० य०

[illegible]

गीता. असकादिन. गीतनृत्य. युष्मद्भूमदि. द्योति. ॥ कलकी मने
 यावज्जीव. वाधिविक्तामन. युष्मद्भूमदि. कनेससंक्षिप्य. यद्वा निगुप्तम
 लिखितं मान्या
 कविय ॥ जलम
 वनधर्मसर्वक
 नृनरुनरुपनमाश्रित्य

१३. कंजकं का लाधिहिक, तजजा कार्य, कोद न्यां न तज्ञा तसत्वे किं
 कुनी धृष्टा सद्यक, उ मला मय तज मत्वां राथ कन, त्या म रि वि वी
 मि, स र्व न थ ग ताधिय गित्वे न द ह्यो रोरु त ॥ अ वि म क
 १२. विय, धृष्टा नि सधन ॥ ॥ व र्च न न ह न न, स र्व न र्व त ह
 य ॥ उ म्भारु थ क म हा त र्ज, ने धा रु क, न म स्कर् न द दामि स र्व वृ ध नां गि
 गु कान य स र्व ॥ ॥ अ वि स क र य ग थि ह, तज जा धि ह, स्व र्ग

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ते मे से म व य पा ना न न म स्का न या द तथा स्व ना द न म ड त्य ति ई ल डि न
 क य नि स्त वि या ॥ ६ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥ थ के
 य ना ल य जा ॥ ॥ ॥ कि ड द का रि श क ॥ ॥ अ थ म
 ध म वा वि धि व ड थ
 त क या न मू क ना रि वि य न न त र म ह ॥ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥
 स ह व नू वि न स्त न त र म ह ॥ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥

15

10

॥ जि य नित्र का रा य रा क त जा सी था क वि दू न ॥ ॥ रा त ना ॥ मि र्थी जो
 य म रा नि मि ना रा म र्क स्त न स त्वा रि नै ॥ त को ऊ ता मि ना म र्क ति रि त
 १२४ ॥ ॥ त जा वि य ॥ क ० क या न नू म न ॥ शि य क ॥ अ मा रि थि क
 त म सि नू द व जा ॥ शि य क ॥ स स व द्ध र य क या न अ मा व ड का व
 ॥ ड व जा रि थि क स स क ल म र्द ॥ स र्प र त व न हा रा ॥ ड स व र्म श न क ली ॥
 आ का न क न क न म र्क वा म हा क न य द या र्क स म क सि य क ना व र्म थ का

5

आ का र्ज क र्ण ड त्य कि रु या व रा द म हा क क न य द ना ना ॥ ०० कि त जा रि थि
 क ॥ ॥ अ अ य ना ॥ वा धि व र्ज न वृ द्वा नी य ध द र्क म हा म र्क म मा थि
 ता न रा थ म य स व जा द दा रि म ॥ वा धि व र्ज न वृ द्वा नी य ध द र्क म
 हा म र्क म मा थि ना न रा थ म य स व जा द दा रि म ॥ वा धि व र्ज न वृ द्वा नी
 त ना थ र्क म र्क म र्क ति त्र अ थ जि य नि स ॥ य धा रि थि क वि दू न ॥ रा त ना
 ॥ सि र्थ र्क का न ज त ना य नै अ मा य सि धि स्त न स त्वा रि नै य धा रा मा य

क
 १
 २
 ३

[illegible]

१६.
 (समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं
 वातु कं पुता सत्र वितायः तनमं नय सत्य महादीर्घं यदि यं वि
 चित्तं यं ॥ ॥ धूय निजा जनः अयात यनाय मुनि यदा ॥ ॥
 कं विमलादियता यता ॥ ॥ ननु विदुः सवत्सु दकु न अख न म्भ
 वदय कुरु सवत्सु यना रुवा सत्य सो पिता काश का न कु दानं य प्रकं कुरु
 नास न स नैवे पृथक् तात्किं सर्वं कुशागा कः सहा निनं स मय सत्य वी ला

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

७.
 कः ॥ तमं स मरुत सत्य सवत्सु दकु कि प्रमती न तनु राय ॥ धूय निजा
 जनः सोहा अगु न जा ॥ ॥ डं न मः सवत्सु दकु वि विमला निआ सवत्सु
 नाव निखा हा ॥ ॥ मरुः रु सत सं जय वा आया य सो य मुनि ॥ ॥
 यदा ॥ ॥ ॥ वि विमला दियता यता ॥ ॥ ननु विदुः सवत्सु दकु न अख न म्भ
 वदय कुरु सवत्सु यना रुवा सत्य सो पिता काश का न कु दानं य प्रकं कुरु
 नास न स नैवे पृथक् तात्किं सर्वं कुशागा कः सहा निनं स मय सत्य वी ला

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

(वक्राया विना वक्षसा कमधजुधना गुण वदसा ता विसा वा कि नमा मिह सवा हनी
(नृदासा स्वत वक्षसा विगुज वा वक्षजितो गोत नवा नृवदना नमा मिह सवा हनी ॥ ॥
(कुमात्रो नक वक्षसा सशक हता रयान का विनगा सोम्य वदना नमा मिह सवा
(वैश्वोष्म मवदना वक्षसा मेना हना विनगा सोम्य वदना नमा मिह सवा हनी
(दक्षान नक वक्षसा मासा कृणधना गुण यथा ज धा ना मा नमा मिह सवा हनी
(ज्वा योनी कृक मवक्षसा वक्षसा गुण यथा ज धा ना मा नमा मिह सवा हनी
(यो म्वा नक वक्षसा कलिक या ज धा जितो कषा ती कुज नृवा व नमा मिह सवा हनी
(महान नक वक्षसा कलिक या ज धा जितो कषा ती कुज नृवा व नमा मिह सवा हनी

[illegible]

15

10

5

धू न हाडा, द व या के स्या न च का न न या न, रा ए ना द धू या ॥ ६ ॥ स रा व
 गु हा स व ध मा स् व रा व गु ध र्द, गु त्या नी स् व रा व ज स रा वा ल्म का र्द ॥ ॥
 १३० स रा वा न्नी म र्ज, प्रा ज र्प ति, सा व य न, वा ग ध न नि व गु र्द व
 ज्ज य र्क गो दा लि, गु न नि र्म मा त्म भा र्क, य स वि र्ज क मा र्ज, यः
 थु द न व स भा र्क, य श य ता, ह ता या क, क स वि र्द ह म द र्ज म र्क धा र्प व मा नि
 ऊ र्ज या ॥ ॥ ६ ॥ स रा वा न्नी ग रा व न्नी र्द हा ज क र्क, स रा व गु हा ग ध र्द

म्मा, गु हा स रा वा न्नी म र्क, प्रा ग द य, म न्ज र्प ति, सा व य न, ॥ ६ ॥ ग र्ज म र्द व ग न्नी
 ग र्वा वि द्ध य ध र्मा स र्ज न स य नि य र्क, वा ष्ठि ता सि धि दा ता न मा मि र्क, स व य
 ॥ ॥ ६ ॥ ग र्ज म र्क, त रा व ज्ज मा र्क का वा य, ग रा व गु हा ग ध र्मा
 थु हा स गु ध र्द, जा र्ग नी न द र्क, क र्प न य न नि र्क, र्क, मू र्क ना
 रा वि र्क मि र्क, न ना र्क या य र्ध र्क, वि र्क व न्नी नि र्क, म र्क का व र्क व य न
 म र्क धू य मा र्क ह ता न, नि र्क, सि ध य, ज र्क म, स रा व, वि धि थि यू ज, धू न

15

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सिकर्मनयुजा धूनकाडा मधुनधियके किननके आसिवाग संघन
 यक सियुजा दक विथक दमुसमसकायक इमका मइ ॥ यकी यका
 ३२ हासयुजा विसजन ॥ थुनधूसं स अमिसवीठगु निसकनी
 गधो नखात्रिक सुगधर्ज हवनय थुनधून
 काडा यो जहाडा खायाडो नके ॥ ॥ सोदुके के मने कादुके के कसके के
 कसमिसीने मजजा कथधूनकाडा मधुनधियके किनने या ० समायन आ
 सिवात दगुसकसकाय विसजन मधुन कत्रस आसिग्वधी विसजन आसि मजा
 ५५

सिवात दगुसकसकाय विसजन मधुन कत्रस आसिग्वधी विसजन आसि मजा ५५

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अस्मि युक्ता न विधिमाद
 ॥ इति नित्यं त्रिसोधमधुन वाय ॥ वाक गम १ तन धर्म चक्र मूडा मधु
 नमादडा न भिजन ॥ यो दडा न म गोय मधुन स्या त्वन स वाक
 नमग्व १ तय गा ६ ॥ यो दडा न म गोय मधुन स्या त्वन स वाक
 यन यक न क नय अस्मि न स ॥ ॥ रुवन न मादाय कत्र सतय सग्व
 न मग यकी न यो धा यनय ॥ ० वाय गुन मधुन सदन तवा ग वा सो
 अस्मि ग्वधी ड पाया हाया धमस

अस्मि ग्वधी ड पाया हाया धमस

15

10

१) अधतः सिधुतयः जलवनिविमज्जु विममाधिः कुं गयुजा दडाय
 जा॥ मधुसाधिवामन॥ ॥ धनमधुसलावना ॥ नत४ मधुल
 मधाः साधुमैम निः पूर्ववजया निः दकिनयया कीषः स
 १२३ दिमै गीत्यवजु तहिनः उतत्र विजया कीषः मृगः गजाः
 नासिः नेमत्या वि ध्वंसकः जायु की वि काजिनिः ॥ गहनसिमावुय
 वचरु जाजः नर्गा कुभादिः कानै मूः धूयादिदवमाय विदिताः एवत

5

२) विरावा ॥ वाद्यादिकम् निजाजं यत्रिकमय
 समयसत्त सतसत्त जावाहर्नः कुगुकमूडामरु नयुजामुकि ॥ यूर्य
 योस ॥ डंभाकमूनय हं स्वाहा ॥ डं वजयानय हं स्वाहा ॥ डं वजडोडः
 य हं स्वाहा ॥ म ॥ डं संववकुवा रुने हं स्वाहा ॥ डं विजया ॥ प्र
 य हं स्वाहा ॥ डं क जावा सित हं स्वाहा ॥ डं वज वि ध्वं सिन हं स्वा
 हा ॥ डं वज विकजित हं हं स्वाहा ॥ डं सिमावुय हं हं स्वाहा ॥ ॥
 डं वजयास्य हं ॥ डं वज मायर्वा ॥ डं वज गोमर्जी ॥ डं वज नृत्यमू ॥ डं मे

जयंत ॥ २

15

10

5

0

सर्वकामावयनविगुह्य सर्वधर्माविगुह्य साक्षात् ॥ इति ॥ इति मायौ
यतिरुक्तं सर्ववदनानि विनासनि रुतश्च मूकस्य वाचनानि हं
रुदं धात्रि यथा ॥ १ ॥ ॥ इति तैश्मनायकस्य ब्रह्मसूत्रसंज्ञा
सिद्धिर्न जलमा ॥ सा विगुह्यमयश्च मूकस्य सर्वपापान् हं
रुदं ॥ यत्र गन्धिः ॥ इति मूकस्य शब्दमार्गवैशमि तस्यैव ॥ इति विज्ञो
तः ॥ इति ॥ मूकस्य सर्वकामावयनविगुह्य कथीयस्य धर्मा ॥ ॥ इति ॥ इति ॥

इति तैश्मनायकस्य ब्रह्मसूत्रसंज्ञा
सायकस्य यतिमितायुष्यस्य ज्ञानसंज्ञा यति का विनियसा धर्मा ॥
गन्धिदक ॥ ॥ इति तैश्मनायकस्य ब्रह्मसूत्रसंज्ञा
रुदं धात्रि यथा ॥ १ ॥ ॥ इति तैश्मनायकस्य ब्रह्मसूत्रसंज्ञा
ना ॥ यत्न अस्मिन् ॥ दया ॥ जी ॥ अस्मिन् निवृत्तुका यत्न अस्मिन् ॥ सम
यस्य निमो यत्नो कृष्ण दिना हन सत्तमा गाहर्मा ॥ ॥ इति ॥ नि
गाहर्मा यत्न सत्तमा ॥ अस्मिन् यत्न सत्तमा ॥ इति कस्य ॥ इति ॥

CMS

5

10

15

20

25

दत्तगान्

अस्मिन्नामाधाय सा ३
पक्षे नक्षत्रादौ द्या द्युवां

The image shows a rectangular, aged, brown leather or parchment object, possibly a book cover or a tablet. It features three circular diagrams, each containing Sanskrit text. The leftmost circle has a central text block surrounded by a ring of characters. The middle circle contains a central text block with a ring of characters and a small central hole. The rightmost circle contains a central text block with a ring of characters. The entire object is heavily worn and discolored.

[illegible]

15

10

180

सिद्धिमात्राजययैदयक, गुणरुजाडरुयाखडस, स्वविधायीशरुय, गुणम
 दनदनक, वाजवियक, स्वाननत्यक, विसकन, धननित्राजय, गात्रजा, मनदह
 भाव, सुरुनय, कसाहिविकविय, थकादिन, दिगताकाज, नडसत, लडाकाय, या
 कायकनय, धन, थदि नसिधप्रकायक, जवितननिचक, धनसयैमवुनस
 रुसकनसंनसं, अय विरक, यकेयदोत्रयुजा, लासी, यंभ, वाद, छान, नव
 डंनभातगवय, आदित्याय, कासव, पुनस, आदित्याय, गक, संकुनाय, अमून
 सहिताय, कक, तन, यमजाग, वृधक, कसमागसदशाय, जक, वास, नक, वा

5

स, वक, पुष्य, वकगध, यहायविनाय, उत्रगत्रथमात्र, दव, दातव, क
 लवु, किलेनेवु, सहिताय, अयनय, शगवन, मन, जात, हना, धय, रुडंग
 दमन, नमभ, वन, वत्रय, रुडंग, रुकन, गव, पुष्य, यय, दित, घहायवजित
 दतिगुरु, नो, नमा सुनेयसे, नसयिनिकजा, रुवठग, कि, वरि, कन
 डं, दिवक, कवलीजना स, अययुति, साहा ॥ ॥ यकेयहात्रवजा, धन
 थकादिन, नवुस, धिअक, सात, ननक, विसकन, चनयुजा, दक, त, अ
 माकन, हयनि, न, जाय, विसकन, ॥ रुडि, सधु, सायविधि, गुता ॥

15

10

5

0

ॐ
 "शा का लि जा ध"
 "मा का कृ स्व य म"
 "मा का कृ दृ दृ"
 "य कृ कृ न सु म"
 "आ कृ कृ हि"

हि
का

हि
का

(ज) २५

महा
का

महा
का

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

कृष्णाय नमः

CMs

5

10

15

20

25

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

तस्य दहयिष्यते ॥ ३ ॥ कामनादं सदा सदा हनन् । साधवत्पुन
ममर्ते ॥ ४ ॥ यामजात्रं पुमांसं वनसां सेवया तांशकां
॥ ५ ॥ जंजकं वात्रयं ॥ ६ ॥ धकं त्रिधकिटं कस्य दहयिष्यते ॥ ७ ॥
॥ ८ ॥ सिद्धिं सवत्सरं ॥ ९ ॥ लक्ष्मणं लक्ष्मिं मिथ्या ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ कात्रयं पुमांसं कस्य दहयिष्यते ॥ १२ ॥ कालं आशिषु
॥ १३ ॥ त्रिधं धूममांसिधं ॥ १४ ॥ मैत्रं धूमवत् ॥ १५ ॥ सदा सदा वनसां कोशे

॥ १६ ॥ विवन्मं मनस्यदहं ॥ १७ ॥ सिद्धिं सवत्सरं ॥ १८ ॥
॥ १९ ॥ जंजकं वात्रयं ॥ २० ॥ धकं त्रिधकिटं कस्य दहयिष्यते ॥ २१ ॥
॥ २२ ॥ सिद्धिं सवत्सरं ॥ २३ ॥ लक्ष्मणं लक्ष्मिं मिथ्या ॥ २४ ॥
॥ २५ ॥ कात्रयं पुमांसं कस्य दहयिष्यते ॥ २६ ॥ कालं आशिषु ॥ २७ ॥
॥ २८ ॥ त्रिधं धूममांसिधं ॥ २९ ॥ मैत्रं धूमवत् ॥ ३० ॥ सदा सदा वनसां कोशे

15

10

5

0

CMs

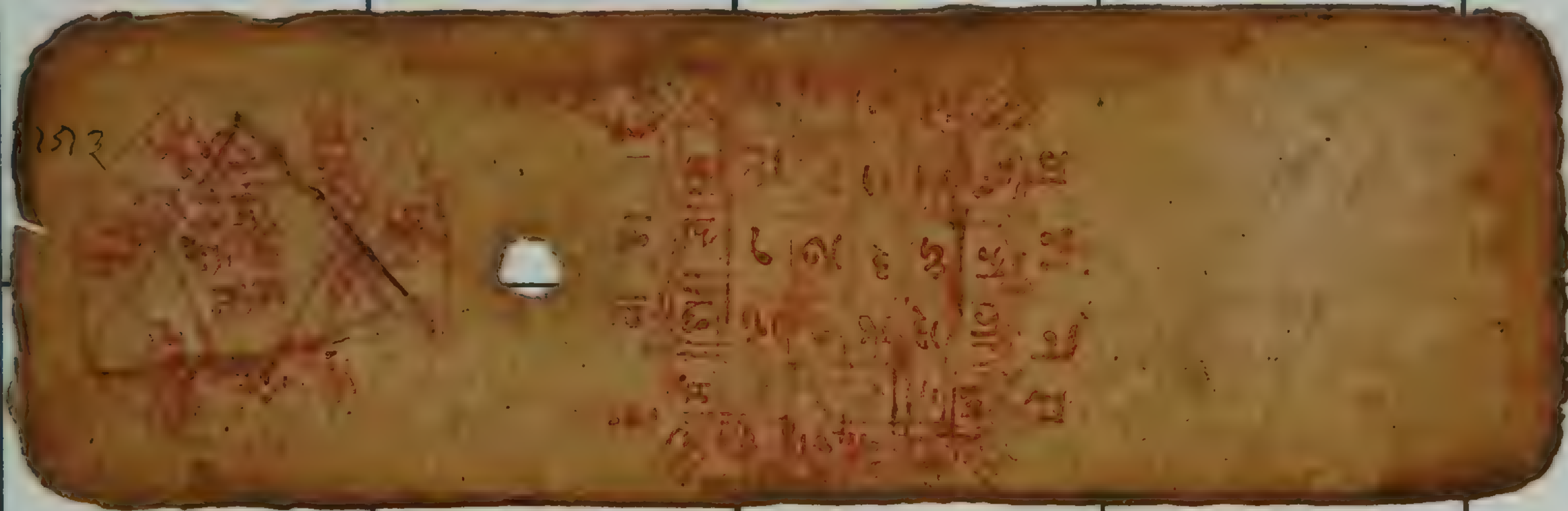
5

10

15

20

25



(पूर्वजकार्यपुत्रालीयोगा अकार्यविर्गमकः ४ योगाः युयाग अग्निर्गम
रुचवः ॥ ताराकं गत्र रुचः ॥ महायज्ञो नाम यो गत्र नि अक्षिन् विरुच
के मता मता ॥

॥ युक्तिपदा नडास्यां त्रिविधा यज्ञयुक्त ॥
ध्रुवः शास्त्रं कुरुमः कुरु यत् यज्ञो गत्र वसुध्वा गुरु स्वाते
वयस्वी अरुस्वी कुगुतिरु ध्रुवः अस्मात् त्रया नडा म वजिध

(मायया वा मयाः ॥ जकार्यकात्रोर्गद लि का दः ॥ महायज्ञो त्रय
रुचः ॥ ताराकं गत्र रुचः ॥ महायज्ञो त्रय रुचः ॥ ताराकं गत्र रुचः ॥
वजिर्मिन्डला डो

यज्ञो ॥ ॥ ॥ ॥ सफगां पुत्रो जाली यो नि ध्रुव यज्ञो नाम यज्ञ
यज्ञो ॥ ॥ ॥ ॥ यज्ञो ॥ नडा म कुरुमः कुरु यत् यज्ञो गत्र वसुध्वा गुरु स्वाते
यज्ञो गत्र स्वाति होल मया कुरु मया नडा नि अकमात्र सवय
ही किमिमा ॥ ॥ स्वा का द नडा म कुरुमः कुरु यत् यज्ञो गत्र वसुध्वा गुरु स्वाते ॥ ॥

उरुजगन्नाद्यो जीना। कंकात्रिजि। कदलीपीरु। कोलाशिनि। चयु
रुत्रवजकः। पुमोगुरुकः। अरुवाजनागः। वी। नमीम। दसम्या। हिर
याया। सामादि। लयु। ॥ धूय। युगु। कसु। कय
वृत्त। या। लयु। ली। गायु। चडा। जीवन्वी। वरु। नायु। ह
गुति। या। क। किकि। लोवन्मधि। सि। वा। ध्व। लय। लमध्व
॥

नेत्रिखवेष्ट। विग्यामा। नकात्रविजं। नरुसाधियति। जयकुडम
उरुत्रवः। रुष्टः। यक्रीठिष्टक। लीजा। नेनरुः। पुमो। सात्रः। चयु
वादस्याहाद्वत्र। दन। पुजयुन॥ ॥ धूय। युगुत्र। सिद्धास
कमुनि। चरु। वन। वरुमं। वरु। लोह। ली। म। ली। ध्व। वरु
मा। ति। ली। रुगुति। जगन्मधि। मीसी। या। ध्व। कयरा। हा। सि। वा। कसि
धनिध॥ ॥

(दकिन, वा ला हि ॥ अ का १ न का अ वि ३ ॥ य म न का म क ० ॥ क वा न र स व ४ ॥ च
 न व ५ ॥ ना ग क सि क ६ नी न ७ व सि ८ क य ना को ॥ य के म्या गु या द स्या गु नु वा
 प्र वा धू ३ ॥ ॥ धू य न कि गि न ऊ ना मा स च न कू कू म अ क न
 ड न य न य व स का ह स्त्री सि स्त्री अ स्त्री जि हा कू न स्त्री ध न उ
 गु नि य के य ना मा स स न भू न गु न ना सि क ड वा ध ॥ ॥

(ग द स या ॥ धू य क नु
 य गु च न या ख न व स
 मा य स्त्री मा य आ र न नि
 स्त्री वा हा न स्त्री
 गु गु नि हा अ न
 ना ना भ न सी स न न म
 धि न ड वा म धि अ ३
 ध ॥ ॥

(र स व या ॥ धू य न कि
 च न अ गु न स्त्री सा क आ
 रु न नि च न हा क उ
 गु नि आ य ना या न स
 म्या च
 (य न ड सा या गि नि सि हि सा क अ व रु न स्या
 धू क नू रु रु ट स्या हा ॥

(धू य वा स च न न
 स गी ध व स ना य
 स्त्री सा य वा हा उ गु
 नि स व रु क न ड स
 ना धि म धि क ड धि
 ॥

दवाजानु, महाकृत
श्रीदंनरु, कनरु, समर
वनाशोसगवगि, साद
नक्तु, सादडा, सत्रुध
मभिर्ग, मनिचुदह, कोन
कोरु, ग्यकभस्त्र, ग्यक
वसि, हावादडा, मनिना
दे, कसिदडा, सदह, गिवा
गानगिदि, गाना, वक्त
काशिको, दु, कदडा, का
वेरु, नु, हावा, कनरुध
ननेका, कायगुधमि, यम
समि, क, गगस्यामि, दनम
मनि, नजदिद, नश्चिवा
मामाको, नममो, शिवा
ममि, न, नानदिवा, न
मामाया, नदमयध, सा
न, गिने, ग, चवी, यो, नो
नोननरु, म, न, नुत
नकी, दिदि, दूर, नैम, क
नकि, सा, ता, द, रु, ह
नय, न, नो, न, न
वममो, दि, न, क, द, न, दि
मिम, न, प, न, न, न, न
न, न, न, न, न, न, न, न
न, न, न, न, न, न, न, न
न, न, न, न, न, न, न, न

मि, न, व

ननु यथा विष्णुर्लोकं गच्छति
 तथैवासादादाका भोक्तृत्वा
 त्रुणासादा गच्छति त्रिभुवनं
 त्रैलोक्यं यथा कुरुक्षेत्रं
 त्रिधा गच्छति त्रैलोक्यं त्रिधा
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं

त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं

त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं
 त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं

नमो भगवते

(वासक नगं क० कथिय का नज बकी धनि वा न योग गुप् मरुका रुक म
(क्रसा त गो र्वा इद यी दी वा वि च दे म न स य नि गो वा य नि का सि रु यो
(ग क न ग र्वा क स क गो वा न नून रु द रु व र्वा न्ना को न के ख न स रु तु म्
(क य ज र्वा य य नि ग र्वा रु क वा नि ना य को दे गु का धा न मा रु न्दु यो
(क को वा को सा मा वा रु क वा य का वि रु ना ग ना जा ख या क वि ना य ध व रु
(न ना रु यो न न व यि जा वि ना य जा नि ग रु नि रु ग र्वा मू व रु म् नि रु
(न न रु वि का वा को रु न रु य ना न स न रु न्ना ता ला को का का ना को क न ग
न रु क रु ना ना थ य म रु ना न गु यि का ना ना रु रु न न न न

(गो वा स क न न
(र वि रु धा नि रु रु
(न न रु य य नि ग र्वा
(यो न वा अ म्वा र्वा न्ना
(शिक गो क न रु रु रु
(ख ना रु रु ना ना वा जा
(को रु रु रु यो वा क वि ना
(सै ना रु रु रु रु रु
(का नि रु रु रु रु रु
(नो न रु रु रु रु रु रु
(रु रु रु रु रु रु रु रु रु
(म वि रु रु रु रु रु रु
(रु रु रु रु रु रु रु रु रु
(कि रु रु रु रु रु रु रु
(रु रु रु रु रु रु रु रु रु
(रु रु रु रु रु रु रु रु रु

१ यानेधधनविधिपउ०
 २ प्रथिमायविधिपउ०
 ३ त्रुत्तयानविधिपउ०
 ४ चैत्राहयकविधिपउ०
 ५ १२०
 ६ मङ्गादिपगावभापउ०
 ७ १२०
 ८ अङ्गतावभा पउ० १२०
 ९ पगावतावभा पउ० १२०
 १० विस्वकसाविधिपउ०
 ११ अस्मिन्निविधिपउ०
 १२ अस्मिन्निविधिपउ०
 १३ १२०
 १४ अङ्गुयविधिपउ०
 १५ अङ्गुयविधिपउ०
 १६ अङ्गुयविधिपउ०
 १७ अङ्गुयविधिपउ०
 १८ अङ्गुयविधिपउ०
 १९ अङ्गुयविधिपउ०
 २० अङ्गुयविधिपउ०

१ प्रजाविधि॥ पउ०
 २ दमकसीकिनेविधि॥
 ३ यदिस्तकसीअयीव
 ४ धि॥ ४
 ५ अस्मकदवगातावना
 ६ पउ० ३
 ७ रदिकिदापउ० ४
 ८ अङ्गकसी पउ० १
 ९ नोसाकसी पउ० ४
 १० अङ्गुयसध पउ० ४
 ११ अङ्गुयसध पउ० ४
 १२ अङ्गुयसध पउ० ४
 १३ अङ्गुयसध पउ० ४
 १४ अङ्गुयसध पउ० ४
 १५ अङ्गुयसध पउ० ४
 १६ अङ्गुयसध पउ० ४
 १७ अङ्गुयसध पउ० ४
 १८ अङ्गुयसध पउ० ४
 १९ अङ्गुयसध पउ० ४
 २० अङ्गुयसध पउ० ४

मन्त्रं ॥ नमस्तुभ्यं ॥
विषयि ॥ मनस्य ॥ छन्दः ॥
नामिके ॥ रुतमीवि ॥
माशुदले ॥ श्वानासानि
सिंधि ॥ भुक्तम्यान ॥
रुगसिंधाना ॥ जितरुत ॥
प्रति लि ॥ नायय ॥ गति
दधनडाह ॥ जना ॥ जना ॥
यवाकि ॥ भिन्न ॥ भिन्न ॥
समूद्ररुत ॥ पानरुत ॥
निनसनिनशजसाभावन
रुज ॥ भिन्ननशनसाभा
करुत ॥ भुक्तम्यान ॥
जसकि ॥ ज्ञायामया ॥
उसासुसवाकिनागमान
या ॥ तुमसिन्त ॥ यस्तुत
जसया ॥ भिन्न ॥ भिन्न ॥
कैकमसस ॥ यस्तुत
नवहसस ॥ १०
जितरुत ॥ यस्तुत ॥
भुक्तम्यान ॥ १० सस

मानदास सुगत दासदा संकलन
बाशा त्क ॥ यथात उपहार !
मानदास सुगत दासदा संकलन
बाशा त्क ॥ यथात उपहार !

अरुममिपद्याय॥
पु॥ श्रीवक्तुसूर्य
द॥ यम
प॥ श्वरुचु
उ॥ कनस
अ॥ वामल
सि॥ मरु
वा॥ संत
ॐ॥ सु

